भारत के समाचार पत्रों के पंजीयक का कार्यालय द्वारा पंजीकृत संख्या UTTHIN/2015/66525

E-mail: amarujiyara@gmail.com

अमर उजियारा

हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–7 अंक–29 सोमवार, 8 नवम्बर 2021 हल्द्वानी (नैनीताल) मूल्य 5/– रुपया पृष्ठ 8

गौला पुल खुलते ही सरपट दौड़े छोटे वाहन

अमर उजियारा संवाददाता

हल्द्वानी। एनएचएआई ने शुक्रवार को गौलापुल हल्के वाहनों के लिए खोल दिया है। इसकी सूचना डीएम धीराज सिंह गर्ब्याल ने जारी की है। उधर चुनावी वर्ष होने के कारण भाजपाई श्रेय लेने का कोई मौका नहीं छोड़ना चाहते हैं। शनिवार को केंद्रीय रक्षा एवं पर्यटन राज्यमंत्री अजय भट्ट सहित भाजपा का पूरा अमला पुल का शुभारंभ कराने के लिए पहुंच गया।सुबह अजय भट्ट ने गौलापुल में यातायात का शुभारंभ किया। उन्होंने पिछले दिनों गौलापुल का निरीक्षण किया और राष्ट्रीय राजमार्ग के अधिकारियों को मौके पर गौलापुल में यातायात ६ नवंबर तक अनिवार्य रूप से चालू करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में शनिवार को गौलापुल हल्के वाहनों के खोल दिया गया है। उन्होंने पुल के त्वरित कार्य के जिला प्रशासन व एनएचएआई के अधिकारियों को बधाई दी।इस मौके पर लालकुआं विधायक नवीन दुम्का, भाजपा जिलाध्यक्ष भाजपा प्रदीप बिष्ट, प्रदीप जनौटी, राकेश नैनवाल, प्रकाश गजरौला, लक्ष्मण सिंह खाती, मुकेश बेलवाल समेत अपर जिलाधिकारी अशोक जोशी, सिटी मजिस्ट्रेट ऋचा सिंह आदि मौजूद रहीं।

त्योहार पर रोडवेज प्रशासन ने लगाई 10 अतिरिक्त बसें

हल्द्वानी। भैया दूज पर रोडवेज स्टेशन पर यात्रियों की भारी भीड़ रही। बसों में सीट पाने के लिए यात्रियों में धक्कामुक्की हुई। कई यात्री बसों की खिड़कियों पर चढ़कर बस में बैठे। बरेली और दिल्ली रूट पर यात्रियों का अधिक दबाव रहा। अब रविवार को अधिक भीड़ की संभावना को देखते हुए रोडवेज ने पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त बसें चलाने का निर्णय लिया है।

रोडवेज स्टेशन में सुबह से ही यात्रियों का जमावड़ा रहा। बरेली, नैनीताल, टनकपुर, दिल्ली और देहरादून के लिए अधिक यात्री दिखे। बरेली और दिल्ली की बसों में सीट पाने के लिए यात्रियों में काफी धक्कामुक्की हुई। रोडवेज के सहायक महाप्रबंधक सुरेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि दिल्ली के लिए अन्य दिनों में ११ बसें भेजी जाती है लेकिन आज तीन अतिरिक्त बसों समेत १४ बसें भेजी गईं। इसी तरह बरेली के लिए आज १३ बसें भेजीं, इनमें से ७ बसें अतिरिक्त थीं। चंडीगढ़ की बस भी फुल गई। टनकपुर, नैनीताल रूट पर भी पर्याप्त यात्री थे। उनके लिए बसों की पर्याप्त व्यवस्था थी। यहां अतिरिक्त बसें नहीं भेजी गईं। उन्होंने बताया कि दिवाली अवकाश के बाद अब लोग वीकएंड पर घूमने आएंगे और कई लोग दिवाली की छुट्टी बिताने के बाद वापस आएंगे। रविवार को अधिक दबाव होने की संभावना है। इसके लिए पर्याप्त संख्या में बसों की व्यवस्था की जाएगी। वहीं काठगोदाम रेलवे स्टेशन अधीक्षक चयन राय ने बताया कि ट्रेनों में यात्रियों की संख्या अधिक रही। खासकर से दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में यात्रियों का अधिक दबाव था।

दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया

देहरादून। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मलेन उत्तराखंड की ओर से दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। सहारनपुर रोड स्थित एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।विस अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने कहा कि भारतीय समाज में दीपावली महत्व पर्व है। दीपावली मिलन समारोह के अवसर पर अग्रवाल समाज को एक स्थान पर एकत्रित होने का सुखद अहसास है। अग्रवाल ने कहा कि हम सभी लोगों का कर्तव्य बनता है कि हम अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मलेन को नयी ऊंचाई पर पहुंचाएं। हमेशा अच्छे कार्यों के लिए आगे आएं। राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश चेयरमैन अनुराग गुप्ता, राष्ट्रीय संगठन मंत्री रोशन अग्रवाल, प्रदेश अध्यक्ष महिला विगं रीतु गोयल, प्रदेश अध्यक्ष अग्रवाल सम्मेलन योगेश अग्रवाल, भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता विनय गोयल, राजेंद्र गोयल, संजय अग्रवाल, चंद्र विक्रम, हरीश मित्तल, पंकज गुप्ता खेमचंद गुप्ता आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश गोयल ने किया।

सिर पर गैस सिलेंडर रख हरदा का महंगाई के खिलाफ प्रदर्शन

कांग्रेस का प्रदेशभर में जगह-जगह पेट्रोल पंपों पर विरोध प्रदर्शन

अमर उजियारा संवाददाता

देहरादून। देश में पेट्रोलियम पदार्थों के मूल्य में लगातार बढ़ोत्तरी के विरोध में कांग्रेस ने प्रदेशभर में जगह-जगह पेट्रोल पंपों पर विरोध प्रदर्शन किया। देहरादून, हल्द्वानी, रुड़की, काशीपुर, रुद्रपुर आदि शहरों में कांग्रेसियों ने सरकार के खिलाफ जमकर हल्ला बोला। कहा कि महंगाई की वजह से आजजन की मुसीबतें बढ़ गई हैं। कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष पूर्व सीएम हरीश रावत ने भी दून में अपने सिर पर गैस सिलेंडर रखकर केंद्र के खिलाफ नारेबाजी की।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों की वजह से आम आदमी का जीना मुश्किल हो चुका है। न लोग अपने वाहनों में तेल डलवा पा रहे हैं और न ही घर-दुकान के सिलेंडरों की भरवाने की हिम्मत बची है। प्रदेश भर में रविवार को कांग्रेस ने जिला मुख्यालय हल्द्वानी में स्थित पेट्रोल पंप पर धरना प्रदर्शन किया। महानगर कांग्रेस की ओर से नैनीताल रोड स्थित गुरुनानक पेट्रोल पंप में धरना दिया।इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पहले तो लगातार पेट्रोल-डीजल के दाम हर दिन बढ़ाए गए। जिसके बाद अब चुनाव नजदीक आते ही कुछ रुपये दाम कम कर जनता को बेवकूफ बनाने का काम किया जा रहा है। कहा कि अब भी डीजल-पेट्रोल के दाम आम आदमी की पहुंच से बाहर है। यदि भाजपा सरकार को जनता की इतनी ही चिंता है तो दाम अधिक से अधिक घटाए जाने चाहिए।इस दौरान पेट्रोल पंप पर गैस सिलेंडर लेकर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की गई। यहां महानगर अध्यक्ष राहुल छिमवाल, प्रदेश प्रवक्ता दीपक बल्यूटिया, हुकम सिंह कुंवर, सुहैल सिद्दीकी, नरेश अग्रवाल, बहादुर सिंह बिष्ट, केएस पांडे, मनोज श्रीवास्तव, सतनाम सिंह, देवेंद्र मेर, ताहिर हुसैन, रमेश कोठारी, हारून आदि मौजूद रहे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बढ़ती महंगाई और पेट्रोल, डीजल के दामों को लेकर बाजपुर में पेट्रोल पंप पर जमकर प्रदर्शन किया।

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार से महंगाई को कम करने की मांग की और सरकार पर जनता का उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ता जिला अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा के नेतृत्व में पेट्रोल पंप पर एकत्र हुए। जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के आह्वान पर पेट्रोल और डीजल के दामों और बढ़ती महंगाई को लेकर जमकर प्रदर्शन किया।

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और सरकार से महंगाई को कम करने की मांग की। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष जितेंद्र शर्मा ने कहा कि सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा ने महंगाई को अपना हथियार बनाया था लेकिन सत्ता मिलने के बाद भाजपा सरकार के कार्यकाल में महंगाई दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। यही कारण है कि महंगाई की मार से मध्यम और गरीब वर्ग के लोगों का जीना दुश्वार हो रहा है।वहीं, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी सुनीता टम्टा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी जनता के मुद्दों को उठाकर सरकार से महंगाई कम करने की मांग कर रही है लेकिन सरकार के कानों पर जरा भी जूं नहीं रेंग रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा के कार्यकाल से बुरी तरह प्रभावित हो रही है और आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को सत्ता में लाने का मन बना चुकी है। मौके पर राजेन्द्र बेदी, अनिल सेन, जमुना बिष्ट, जैदी खान, तनवीर खान गुड्डू, परवेज, जसवंत सिंह आदि अनेकों कांग्रेसी मौजूद रहे।

सम्पादकीय

भारत की बड़ी पहल

ऐसे वक्त में जब पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के भयावह परिणामों से जूझ रही है और विकासशील देश अपनी जवाबदेही से बच रहे हैं, भारत ने बड़ा कदम उठाते हुए वर्ष २०७० तक श्नेट जीरो का लक्ष्य हासिल करने का वादा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस संकल्प को बड़ी बात माना जा रहा है क्योंकि भारत दुनिया में कार्बन उत्सर्जन करने वाला तीसरा बड़ा देश है। इससे पहले भारत ने श्नेट जीरो को लेकर कोई संकल्प नहीं जताया था। दरअसल श्नेट जीरो के मायने हैं कि कार्बन उत्सर्जन को पूर्णत: समाप्त कर देना, जिसके चलते धरती के वायुमंडल को गर्म करने वाली ग्रीनहाउस गैसों में इजाफा नहीं हो पायेगा। हालांकि, विकसित देश चाह रहे थे कि भारत इस लक्ष्य को वर्ष २०५० तक पा लेने की घोषणा करेगा। लेकिन भारत अपने आर्थिक हितों व विकास की गति को ताक पर नहीं रख सकता। वह भी तब, जब देश में उत्पादित आधी से अधिक बिजली कोयले पर आधारित है। हालांकि, चीन व अमेरिका दुनिया में सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जक हैं और जनसंख्या के आधार पर भारत का प्रतिव्यक्ति कार्बन उत्सर्जन दुनिया के विकसित देशों के मुकाबले काफी कम है। उदाहरण के लिये जहां वर्ष २०१९ में भारत का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन १.९ टन था, वहीं इसी अवधि में अमेरिका का प्रति व्यक्ति उत्सर्जन १५.५ व रूस का १२.५ था। उल्लेखनीय है कि अमेरिका ने शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य २०५० तो चीन ने २०६० तक रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ग्लासगो सम्मेलन में दमदार तरीके से अपनी बात रखने में कामयाब हुए। उन्होंने जहां भारतीय जीवन दर्शन व संस्कृति में निहित पर्यावरण संरक्षण के उपायों का जिक्र किया, वहीं इस बात पर बल दिया कि जब तक हम अपनी जीवन शैली में बदलाव नहीं लाएंगे, तब तक पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्य हासिल नहीं किये जा सकते। वे ग्लासगो जलवायु सम्मेलन में उपस्थित १२० देशों के नेताओं को अपनी बात समझाने में सफल रहे।

इस सम्मेलन में तार्किक रूप से अपनी बात रखते हुए प्रधानमंत्री ने श्पंचामृतश्र मंत्र के जरिये भारत की प्रतिबद्धता दर्शायी। पंचामृत सौगात का विस्तार करते हुए उन्होंने कहा, पहला मंत्र यह कि भारत २०३० तक अपनी जीवाश्म रहित ऊर्जा क्षमता को पांच सौ गीगावाट तक पहुंचायेगा। दूसरा मंत्र, अपनी ऊर्जा जरूरतों का पचास फीसदी रिन्यूएबल ऊर्जा से पूरा करेगा। तीसरा मंत्र, कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कटौती करेगा। चौथा, भारत इस अवधि तक अपनी आर्थिकी की कार्बन इंटेन्सिटी को पैंतालिस फीसदी कम करेगा। सबसे महत्वपूर्ण पांचवां मंत्र यह कि वर्ष २०७० तक भारत शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करेगा। साथ ही दुनिया को यह संदेश दिया कि हम उपभोक्तावादी जीवन शैली बदलें। तीसरे सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जक देश के इस संकल्प को अन्य देशों का सकारात्मक प्रतिसाद मिला, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन तथा मेजबान ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भी शामिल थे। सम्मेलन में राष्ट्राध्यक्ष सहमत थे कि आसन्न संकट से निपटने में होने वाली हर दिन की देरी की कीमत दुनिया को चुकानी पड़ेगी। इस सम्मेलन को एक अवसर के रूप में देखा जाना चाहिए। वहीं महासचिव गुटेरेस ने चेताया कि जीवाश्म ईंधन की लत मानवता हेतु विनाशकारी है। यदि हमने धरती को न बचाया तो यह हमें नहीं बचाएगी। हमने प्रकृति को शौचालय की तरह इस्तेमाल किया है। हम बहुत गहरी माइनिंग व ड्रिलिंग करके सही मायनों में अपनी कब्र खोद रहे हैं। ग्लासगो शिखर सम्मेलन से दुनिया को बड़ी उम्मीदें रही हैं, हालांकि सम्मेलन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग व रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भाग न लेने से चिंताएं भी बढ़ी हैं। बहरहाल, दुनिया २०१५ में हुए पेरिस समझौते के अनुरूप वैश्विक तापमान को दो डिग्री से कम रखने के लक्ष्य की तरफ बढ़ी है। कहना कठिन है कि हम कितने कामयाब होते हैं। लेकिन भारत ने पेरिस जलवायु समझौते की तरफ मजबूत कदम बढ़ा दिये हैं। अब बड़े-विकसित देशों को विकासशील देशों को कार्बन कटौती के बदले दी जाने वाली आर्थिक मदद के बारे में गंभीरता से सोचना चाहिए।

बीएसएफ अधिकार क्षेत्र में विस्तार पर सवाल

गुरबचन जगत

हाल ही में गृह मंत्रालय ने एक आदेश जारी कर पंजाब में सीमा नियंत्रण रेखा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल द्वारा तलाशी, बरामदगी और गिरफ्तारी करने वाले अधिकार क्षेत्र का दायरा १५ कि.मी. से बढ़ाकर ५० कि.मी. कर दिया। स्पष्ट है इस आदेश को जारी करते वक्त केंद्रीय गृह मंत्रालय की मुख्य चिंता जाहिर है सुरक्षा की दृष्टि से है, खासकर जम्मू-कश्मीर में बढ़ती सीमापारीय घुसपैठ, आम नागरिकों की हत्याएं और पंजाब सीमा पर ड्रोन गतिविधियों में बढ़ोतरी के मद्देनजर। हालांकि पंजाब में ऐसा कुछ विशेष रूप से सामने नहीं आया है और यह निर्णय एहतियातन, नागरिकों और सुरक्षा बलों में खतरे की आशंका को लेकर सजगता बढ़ाने के उद्देश्य से ज्यादा लगता है।

इस पर आई पंजाब सरकार की प्रतिक्रिया अनुकूल नहीं रही और आदेश को वापस लेने की मांग की है। यहां तक कि सर्वदलीय बैठक में भी, जिसमें भाजपा शामिल नहीं हुई, इसको वापस लेने का प्रस्ताव पारित किया गया। सीमांत और अन्य इलाकों के बाशिंदों की प्रतिक्रिया खामोश किंतु नकारात्मक है। भौगोलिक दृष्टि से चूंकि पंजाब एक छोटा सूबा है, इस लिहाज से सीमा से ५० कि.मी. दायरा होने का मतलब है राज्य का लगभग आधा हिस्सा अधिकार क्षेत्र की जद में आ जाएगा। इसमें अमृतसर, फिरोजपुर, तरनतारन, बटाला इत्यादि शहर भी आ जाते हैं। अमृतसर वैसे भी वह शहर है जिसे श्रीदरबार साहिब की उपस्थिति का आशीर्वाद मिला है और देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु यहां अपना अकीदा पेश करने आते हैं। एक अनकहा डर यह बन गया है कि कहीं बीएसएफ ५० कि.मी. पट्टी में मनमानी कार्रवाई न करने लगे, यहां तक कि शहरों-कस्बों में भी। चूंकि पंजाब में चुनावी दौर है, इस धारणा को बल मिलता है कि कहीं इसका प्रयोग विपक्षियों को निशाना बनाने में न किया जाए।

यह डर केंद्र और राज्य सरकार के बीच आपसी सलाह-मशविरा न होने की वजह से बना। इतनी गोपनीयता की जरूरत नहीं थी, राज्य सरकार को भरोसे में लिया जाना चाहिए था। दूसरा, इस आदेश पर अमल कैसे होगा, इसकी और अधिक जानकारी देनी चाहिए थी या फिर इसका अर्थ है कि पंजाब में ५० कि.मी. अंदर तक बीएसएफ अपने नाके-चौकियां बनाएगी या सिर्फ तैनात बल की शक्तियों में विस्तार किया गया? अगर तो बीएसएफ अमला जरूरत पर पंजाब पुलिस से तालमेल कर अपनी नई शक्तियों का प्रयोग करेगा, तो इस पर ज्यादा आपत्ति नहीं हो सकती। सीमा के एकदम साथ लगते इलाकों में पंजाब पुलिस के थाने और कर्मियों की उपस्थिति खासी है और बीएसएफ की बड़ी सक्रियता में उनको साथ रखा जा सकता है। अधिकार क्षेत्र में विस्तार से पहले वाले समय में भी बीएसएफ और पंजाब पुलिस के बीच सूचना एवं अभियानों संबंधी जानकारी का आदान-प्रदान का सहयोग कायम था। अंतत: यह सब ऊपरी स्तर के नेतृत्व के बीच संबंधों और फलत: धरातल पर बने सौहार्द पर निर्भर करता है।

मैंने लंबे समय तक पंजाब पुलिस में काम किया है, जिसमें ४ वर्ष अमृतसर में बतौर एसएसपी कार्यकाल भी शामिल है, साथ ही मुझे बीएसएफ का महानिदेशक होने का सौभाग्य भी मिला है। दोनों बलों में, एसएसपी और महानिदेशक रहते हुए, मेरा वास्ता इनके बीच बहुत बड़े खिंचाव से कभी नहीं हुआ। वरिष्ठ अधिकारी नियमित रूप से आपस में मिलकर मसलों को सुलझा लेते हैं। इससे पहले, बीएसएफ का महानिदेशक रहते हुए, जब यह बल जम्मू-कश्मीर के काफी अंदर तक तैनात था, तब भी राज्य पुलिस के साथ सीमा और अंदरूनी भागों में निकटवर्ती सहयोग पाया था। अब भी, मेरा सुझाव होगा कि या तो केंद्रीय गृह सचिव या फिर बीएसएफ के महानिदेशक इस आदेश के क्रियान्वयन और पहलुओं के बारे में ज्यादा जानकारी दें, इससे भ्रांतियां खत्म होंगी। यह सीमावर्ती नागरिकों के भरोसे में इजाफा करेगा।

निस्संदेह राजनीतिक दलों का अपना एजेंडा होता है, इसलिए वे उसी मुताबिक चलते हैं। हम यह सुनिश्चित करें कि आम लोग तंग न हों और वे अपना काम बिना किसी डर कर सकें, खासकर जब सूबे में आज की तारीख में न तो विद्रोही गतिविधियों जैसे हालात हैं और न ही बड़ी तादाद में मानव और शस्त्रों की सीमापारीय घुसपैठ हो रही है। इससे आगे, वरिष्ठ और स्थानीय स्तर के अफसरों के बीच होने वाली नियमित बैठकों में कार्रवाई योग्य प्राप्त गुप्त सूचनाओं का आदान-प्रदान वास्तविक समय में होता रहे। इस विषयवस्तु में स्थानीय पुलिस अहम भूमिका निभा सकती है। हम में से जिस किसी ने पंजाब या जम्मू-कश्मीर में काम किया है, यह बात हर कोई कबूल करेगा कि कार्रवाई योग्य सबसे भरोसेमंद गुप्त सूचना सदा स्थानीय पुलिस से मिलती है, धरातल पर काम करने वाले पुलिसवालों का राब्ता उस इलाके से होता है और लोग उन पर भरोसा कर जानकारी देते हैं। यदि स्थानीय पुलिस सूचना प्रदान करे और बीएसएफ अपना कार्यबल, तो यह युग्म विजयी होता है। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर और पंजाब में सेना और अर्ध-सैनिकों बलों में विशेष कार्यबल ज्यादा लोकप्रिय रहे। आज भी, कश्मीर में विशेष कार्यबल आतंकरोधी अभियानों की रीढ़ हैं।

याद रहे कि हमारा संवैधानिक ढांचा संघीय है, इसलिए कार्य का बंटवारा एकदम स्पष्ट होना चाहिए। कानून-व्यवस्था राज्य का विषय है। बीएसएफ की स्थापना से पहले यह पंजाब पुलिस ही थी, जिसके जिम्मे सीमा की निगरानी थी। बीएसएफ के वजूद में आने के बाद, सीमारेखा से १५ कि.मी. तक इलाके की निगहबानी इसको दे दी गई। पंजाब पुलिस ने अपनी अलग बॉर्डर रेंज बनाई, जिसमें अमृतसर, गुरदासपुर और फिरोजपुर जिलों के सीमावर्ती थानाक्षेत्र शामिल हैं। बीसीएफ और पंजाब पुलिस के बीच निकट सहयोग सदा रहा है। इसलिए बीएसएफ के अधिकार क्षेत्र में विस्तार करने की कोई वैध वजह नहीं लगती। अब राज्य और केंद्र सरकार को गृह मंत्रालय, बीएसएफ और राज्य प्रशासनिक इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय बनाने का काम करना होगा। गृह मंत्रालय को अपने तौर पर अचानक एकतरफा फैसलों की घोषणा नहीं करनी चाहिएख्र सलाह लेनी सदा मददगार होती है। यह पहली मर्तबा है कि गृह मंत्रालय और बीएसएफ को सलाह देनी पड़ रही है कि आदेश के पहलुओं की व्याख्या करें। जो बात स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ा रही है, वह यह है कि राज्य के अंदरूनी हिस्सों में बीएसएफ जांच चौकियों की स्थापना और देहात, कस्बों, शहरों में बड़े पैमाने पर होने वाली तलाशियां। लेकिन केंद्र सरकार द्वारा नए आदेश की तफ्सील देने और वास्तविक धरातल पर बीएसएफ एवं पंजाब पुलिस के बीच निकट समन्वय के परिणाम में मधुर कार्य-संबंध बने रहेंगे। केंद्र ध्यान रखे कि ऐसा आभास न बने कि राज्य सरकार के अधिकारों का हनन हो रहा है, खासकर पंजाब जैसे सीमांत सूबे में, जहां लंबे समय के बाद शांति स्थापना हो पाई थी। केंद्र सरकार को पंजाब में उदारतापूर्वक बड़े पैमाने पर विकास कार्यक्रम चलवाने चाहिए ताकि लंबे चले आतंकवाद और कई युद्धों से हुए नुकसान की भरपाई हो सके।

कुछ अर्से से, अपराध और कानून-व्यवस्था के विषय में राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में केंद्रीय एजेंसियों की दखलअंदाजी लगातार बढ़ती देखी गई है। बहुत से मामलों में सलाह-मशविरा नहीं किया जाता, परिणामस्वरूप अक्सर सूबे खुद को असहज स्थिति में पाते हैं। कभी एक राष्ट्रीय अखंडता परिषद थी, जिसकी बैठक साल में एक बार प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुआ करती थी और सभी मुख्यमंत्री भाग लेते थे। यह वह मंच था, जहां केंद्र-राज्य संबंधों पर चर्चा होती थी, नतीजतन बेहतर समन्वय बना रहता था। परंतु पिछले समय में मैंने इस मंच के किसी सम्मेलन के बारे में नहीं सुना है। अगर यह अभी भी वजूद में है, तो इसको पुनर्जीवित कर नियमित अंतराल पर बैठकें आयोजित की जाएं, क्योंकि बहुत से केंद्र-राज्य मसले पैदा हो रहे हैं। वैसे भी, जब कभी राज्यों से संबंधित कोई महत्वपूर्ण फैसला लेना हो तो पहले उनसे विचार-विमर्श जरूर किया जाए।

यह पहलू भारत की सुरक्षा संबंधित मामलों के लिए सबसे महत्वपूर्ण है कि हम सबकी एक राय हो। अपनी विशाल सीमा पर हम खतरों से घिरे हैं। उत्तरी और उत्तर-पूर्वी पहाड़ी सीमारेखा पर चीन भूमि संबंधी विवाद रखे हुए है, हमारा स्थाई बैरी बन चुका पाकिस्तान आतंकवादियों की मदद और सीमारेखा और इलाकाई विवाद से लगातार परेशान करता रहता है। हमारी लंबी तटीय सीमारेखा पर स्मगलिंग और नशा संबंधित गतिविधियों की बाढ़ आई हुई है। इस राष्ट्र की सुरक्षा तलवार की धार पर टिकी है, तथापि हमारे राजनेता हर हीले-हवाले समाज में रार पैदा करने पर आमादा हैं। यह केंद्र और राज्य सरकारों के बीच रहा निकट समन्वय था, जिसके बूते हम आतंकवादियों के मंसूबे विफल कर पाए। करोड़ों की आबादी वाले इस विशाल देश को जरूरत है एक आधुनिक सुदृढ़ तंत्र की, जिसका परिचालन राष्ट्रीय एवं राज्यों की स्थानीय आवश्यकताओं से हो, न कि पक्षपाती सोच रखने वाले राजनीतिक दलों की सनक और पसंद के अनुसार। इतिहास साफ दर्शाता है कि जब तक हम आपस में बंटे रहे, बाहरी आतताइयों के लिए आसान शिकार थे। भारत, बल्कि भारतीय नेतृत्व को, स्वार्थपूर्ण राजनीति करने और देश को जागीर बनाने की बजाय राष्ट्र को पहले रखना चाहिएख्र लेकिन जिस केंद्र और सूबों के बीच इस कदर रिश्ता तल्ख है, देश सांप्रदायिक और जाति आधार पर आपस में बंटता जा रहा दिखाई दे रहा है, उसके मद्देनजर यह कर दिखाना, कहने भर से कहीं ज्यादा मुश्किल है। यह वह लड़ाई है जिसे हारना हम गवारा नहीं कर सकते। यदि हमारे राजनेता चुनौती का सामना करने में निष्फल रहे और हमारी सीमाओं पर आन चढ़े दुश्मन का सामना करने को एक साझा मंच बनाने में कामयाब न रहे तो इतिहास में दर्ज होने वाले इन पलों के लिए आने वाली नस्लें हमें कोसेंगी।

भारत नई रोशनी बनकर उभरा

अश्विनी कुमार चौबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जलवायु परिवर्तन के खतरे से निपटने के लिए जो वैश्विक प्रयास चल रहे हैं, उनसे बेशक, भारत नई रोशनी बनकर उभरा है।

पर्यावरण प्रदूषण के विकराल संकट के विरुद्ध बड़ी ताकत बन रहा है। हम न केवल पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, बल्कि इससे भी आगे जाकर नये कदम उठा रहे हैं। भारत का संचयी और वर्तमान प्रति व्यक्ति उत्सर्जन वैश्विक कार्बन बजट के अपने उचित हिस्से से काफी नीचे और बहुत कम है।पर्यावरण के मद्देनजर किए जाने वाले प्रयासों में अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की स्थापना, आपदा प्रतिरोधी ढांचे के लिए गठबंधन, घरेलू नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य को वर्ष 2030 तक 450 गीगा वॉट तक बढ़ाना और महत्त्वाकांक्षी राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन की स्थापना के साथ ही अपने उत्सर्जन को आर्थिक विकास से अलग करने के निरंतर प्रयास शामिल हैं। इस कड़ी में भारत तेजी से अक्षय ऊर्जा के अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। पिछले सात सालों में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत की भागीदारी कई गुना बढ़ी है। इसी क्रम में भारत में इस समय दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छ ऊर्जा कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के तहत १७५ गीगा वॉट की क्षमता हासिल करने का लक्ष्य है। इसके तहत वर्ष २०२२ तक १०० गीगा वॉट और वर्ष २०३० तक ४५० गीगा वॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन लक्ष्य रखा गया है। कहना न होगा कि उत्साही सार्वजनिक प्रयासों से प्रेरित हम पेरिस संबंधी अपनी प्रतिबद्धताओं और लक्ष्यों को पार करने के रास्ते पर हैं। वर्ष २००५ के स्तर से सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की उत्सर्जन तीव्रता ३३ से ३५ प्रतिशत तक घटाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा, भूमि क्षरण तटस्थता संबंधी अपनी प्रतिबद्धता को लेकर भी भारत लगातार प्रगति कर रहा है। भारत में नवीकरणीय ऊर्जा भी रफ्तार पकड़ रही है। कहने की जरूरत नहीं कि न्यायसंगत पहुंच के बगैर सतत विकास अधूरा है। इस दिशा में भी भारत ने अच्छी प्रगति की है। मार्च, २०१९ में ही भारत ने लगभग सौ प्रतिशत विद्युतीकरण करने का लक्ष्य हासिल कर लिया था। ऐसा सतत तकनीक और नवाचार मॉडलों के जरिए ही संभव हुआ।

अगले साल के लिए टल गई फिल्म सैम बहादुर और टाइगर 3 की शूटिंग?

पिछले काफी समय से विक्की कौशल जहां फिल्म सैम बहादुर को लेकर सुर्खियों में हैं, वहीं, कैटरीना कैफ फिल्म टाइगर ३ को लेकर चर्चा का विषय बनी हुई हैं। इन दोनों ही फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है, लेकिन अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक इन फिल्मों की राह देख रहे दर्शकों का दिल टूट जाएगा। दरअसल, दोनों ही फिल्मों की शूटिंग अगले साल तक के लिए टाल दी गई है।

सैम बहादुर की शूटिंग पहले इसी साल शुरू होने वाली थी, लेकिन सूत्रों को मिली जानकारी के मुताबिक, अब इसकी शुरुआत अगले साल होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि कैटरीना भी फिल्म टाइगर ३ की शूटिंग अब अगले साल करेंगी। दोनों ने ही अपने काम से ब्रेक ले लिया है। कैटरीना और विक्की अपनी शादी की तैयारी में लग गए हैं, जो दिसंबर में होने वाली है। वे इस बीच फिल्मों से जुड़ा कोई काम नहीं करेंगे। बॉलीवुड गलियारों में जल्द ही शहनाइयों की गूंज सुनाई देने वाली है।

सीएम ने जैनाचार्य सागर सूर्य से लिया आशीर्वाद

अमर उजियारा संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को जैन मन्दिर में जैनाचार्य, राष्ट्रसंत, विश्वरत्न सागर सूर्य जी महाराज से शिष्टाचार भेंट की तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विगत दिवस यहां श्वेताम्बर व दिगम्बर दोनों समुदाय के लोगों का जो मिलन कार्यक्रम आयोजित हुआ काफी अच्छी बात है। यह मिलन हमारी संस्कृति का सबको मिलाने का एक रूप है। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम एवं श्रीकृष्ण ने भी सबको मिलाने का कार्य किया था, आज जैनाचार्य भी सबको मिलाने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए और अच्छा किस प्रकार से कार्य कर सकते हैं, इस संबंध में जैनाचार्य सागर सूर्य जी महाराज का आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन मिला है।

मुख्यमंत्री ने जैनाचार्य राष्ट्र संत विश्व रत्न सागर सूर्य जी महाराज से कहा कि मेरा यहां आना एक संयोग है, कल ही आपकी साधना पूरी हुई और आज अचानक आपके दर्शन का अवसर प्राप्त हो गया। मुख्यमंत्री ने जैनाचार्य सागर सूर्य जी महाराज से विगत दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की केदारनाथ यात्रा के सम्बन्ध में भी विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर जैनाचार्य राष्ट्र संत विश्व रत्न सागर सूर्य जी महाराज ने मुख्यमंत्री को बताया कि वह कल तक १७ दिनों की मौन साधना में लीन थे, जो जैन धर्म की सबसे कठिन साधना है। उन्होंने इस मौके पर अपने गुरूजी गौतम स्वामी, जो सूर्य के स्वामी माने जाते हैं, के बारे में विस्तृत जानकारी से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।

इससे पूर्व जैन मन्दिर परिसर पहुंचने पर मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया तथा जैन मन्दिर के पदाधिकारियों द्वारा पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत व अभिनन्दन किया गया।

इसके पश्चात् मुख्यमंत्री कनखल स्थित जगत गुरू आश्रम पहुंचे, जहां उन्होंने जगतगुरू राजराजेश्वराश्रम से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, जिलाधिकारी हरिद्वार विनय शंकर पाण्डेय, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, डॉ० योगेन्द्र सिंह रावत, एस०पी० सिटी कमलेश उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

हिंदू मठ मंदिरों के अधिग्रहण के बजाए जीर्णशीर्ण व उपेक्षित मठ मंदिरों के विकास पर ध्यान दे सरकार: स्वामी अवधेशानन्द गिरी

अमर उजियारा संवाददाता

हरिद्वार। हिंदू मठ मंदिरों को अधिग्रहण से बचाने तथा अधिग्रहित मंदिरों को मुक्त कराने के लिए मुहिम ला रहे नई दिल्ली स्थित कालका जी मंदिर के महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत महाराज ने रविवार को कनखल स्थित हरिहर आश्रम में जूना अखाड़े के आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरी महाराज से मुलाकात कर २१ नवम्बर को अखिल भारतीय संत समिति के तत्वाधान में कालकाजी मंदिर प्रांगण में होने वाले मठ मंदिर मुक्ति आंदोलन में भागीदारी करने के लिए आमंत्रित किया। इस दौरान आचार्य महामण्डलेश्वर स्वामी अवधेशानन्द गिरी महाराज ने कहा कि भारत में ऐसा नियम नहीं है जिसके तहत किसी भी मठ मंदिर का ६ महीने से अधिक अधिग्रहण किया जा सके। स्वामी अवधेशानन्द गिरी महाराज ने कहा कि सरकार जीर्णशीर्ण व उपेक्षित मठ मंदिरों के विकास पर ध्यान देने की बजाए वैष्णो देवी, केदारनाथ, बद्रीनाथ जैसे मंदिर जहां चढ़ावा अधिक आता है, पर अधिक ध्यान देती है। मठ मंदिर मुक्ति आंदोलन का समर्थन करते हुए उन्होंने कहा कि वे संत समाज के साथ हैं। हिंदू मठ मंदिरों को अधिगृहण से मुक्त करने के संबंध में सरकार से वार्ता की जाएगी। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष एवमं महानिर्वाणी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रविन्द्रपुरी महाराज ने कहा कि हिंदू मठ मंदिरों के अधिग्रहण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार जल्द से जल्द अधिग्रहित किए गए मंदिरों को मुक्त करे। श्री पंचायती अखाड़ा बड़ा उदासीन के कोठारी महंत दामोदर दास महाराज, श्रीमहंत महेश्वरदास महाराज, महंत रघुमुनि ने कहा कि मठ मंदिरों में श्रद्धालु भक्तों से मिलने वाले दान से ही संत समाज सनातन धर्म संस्कृति के प्रचार प्रसार के साथ स्कूल, कालेज व अस्पतालों जैसे सेवा प्रकल्पों का संचालन भी करता है। महामण्डलेश्वर स्वामी अर्जुनपुरी महाराज, महामण्डलेश्वर स्वामी हरिचेतनानन्द महाराज, जयराम आश्रम के परमाध्यक्ष स्वामी ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी महाराज ने कहा कि मठ मंदिरों के अधिग्रहण को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।निर्मल अखाड़े के कोठारी महंत जसविन्दर सिंह महाराज ने आंदोलन को पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन देते हुए कहा कि सनातन धर्म व संस्कृति पर किसी प्रकार का कुठाराघात बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केवल सनातन धर्म से जुड़े मठ मंदिरों का ही अधिग्रहण किए जाने को किसी भी तरह से उचित नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म पर जब जब भी कुठाराघात किया गया तो संत समाज ने एकजुट होकर इसके खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष किया है। देश भर के संत समाज को एकजुट कर मठ मंदिर मुक्ति आंदोलन को मजबूत किया जाएगा तथा सरकार व प्रशासन के समक्ष मजबूती से इस संबंध में आवाज उठायी जाएगी। आंदोलन के संयोजक एवं कालका जी मंदिर के महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत महाराज ने कहा कि सरकारों द्वारा किए जा रहे मठ मंदिरों के अधिग्रहण के खिलाफ २१ नवम्बर से शुरू हो रहे आंदोलन में देश भर के हजारों संत महापुरूष शामिल होंगे। आंदोलन के संबंध में धर्मनगरी हरिद्वार के तमाम संतों से हुई वार्ता में सभी ने पूर्ण समर्थन देते हुए २१ नवम्बर को आन्दोलन में शामिल होने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार को अन्य धर्मों को छोड़कर केवल हिन्दू धर्म स्थलों के अधिग्रहण की नीति को वापस लेना चाहिए तथा अधिग्रहित किए गए मठ मंदिरों को मुक्त कर संबंधित संप्रदाय को सौंप देना चाहिए। जिससे मठ मंदिरों के माध्यम से सनातन धर्म व संस्कृति की शिक्षा व प्रचार प्रसार में योगदान को जारी रखा जा सके। महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत ने कैलाश मठ के परमाध्यक्ष स्वामी संविदानंद, युवा भारत साधु समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी शिवानन्द, महामंत्री स्वामी रविदेव शास्त्री, श्री चेतन ज्योति आश्रम के परमाध्यक्ष स्वामी ऋषिश्वरानन्द महाराज, महंत कमलदास, महंत दामोदरशरण दास, महंत जयेंद्र मुनि सहित कई संतों से मुलाकात की और आंदोलन में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

छठ पूजा की तैयारियों को लेकर पूर्वांचल समाज के लोगों ने की गंगा घाटों की सफाई

हरिद्वार। तीर्थनगरी हरिद्वार में भी छठ पर्व को लेकर की व्यापक तैयारियां शुरू हो गई है । हरिद्वार में रहने वाले पूर्वांचल समाज के लोगों ने छठ पूजा को लेकर गंगा घाटों की साफ-सफाई का कार्य भी शुरू कर दिया। रविवार को पूर्वांचल उत्थान संस्था के सदस्यों ने बहादराबाद स्थित गंग नहर घाट पर साफ-सफाई का कार्य शुरु करा दिया। अभी भी छठ पूजा कार्यक्रम को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। लेकिन रानीपुर विधायक आदेश चौहान के आश्वासन के बाद लोगों का मनोबल बढ़ा हुआ है और उत्साह के साथ लोग छठ पर्व की तैयारी करने में जुट गए हैं।

तीर्थ नगरी हरिद्वार में छठ पूजा को लेकर असमंजस के बादल छंटने लगे हैं। हरिद्वार के जिलाधिकारी के बाद रानीपुर विधायक ने भी गंगा तटों पर छठ पर्व के आयोजन को लेकर आश्वासन दिया है। पूर्वांचल के लोगों को विश्वास हो चला है कि इस बार छठ पर्व का आयोजन गंगा तटों पर संभव हो सकेगा। करोना महामारी के चलते पिछले दो वर्षों से लोग घर पर रहकर ही छत पर मनाने के लिए मजबूर थे।गौरतलब है कि लोक आस्था का पर्व छठ पर्व को लेकर पूर्वांचल समाज के लोगों में खासा उत्साह रहता है। बड़ी संख्या में लोग गंगा घाटों पर जाकर छठ पर्व मनाते हैं। गंगा घाटों पर उत्सव का माहौल बना रहता है। करोना महामारी के दौरान शासन प्रशासन की ओर से छठ पर्व के आयोजन पर रोक लगा दी गई थी ।इसके चलते पिछले २ वर्षों से गंगा घाटों पर आयोजन नहीं हो सका था। इस बार लोगों को उम्मीद है कि वह गंगा घाट पर छठ पर्व मना सकेंगे। रविवार को रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने बताया कि उत्तराखंड सरकार की ओर से छठ पर्व के आयोजन पर कोई रोक नहीं लगाई गई है इसके चलते गंगा घाटों पर लोग पर्व मना सकेंगे। विधायक आदेश चौहान के आश्वासन के बाद लोगों के मन में भारी उत्साह है और जोर शोर से गंगा घाटों पर तैयारियां शुरू कर दी है। इसके पूर्व शनिवार को हरिद्वार के जिलाधिकारी की ओर से भी छठ पर्व के संबंध में आदेश जारी करने का आश्वासन दिया गया था। रविवार को पूर्वांचल उत्थान संस्था के राम अवतार सिंह, वरुण शुक्ला, कृष्ण कुमार यादव, गौरव यादव, संतोष पांडे, प्रमोद पटेल सहित बड़ी संख्या में लोगों ने बहादराबाद के गंग नहर घाट पर साफ सफाई का कार्य शुरू करवाया।

हरीश रावत ने दी छठ पूजा की बधाई

हरिद्वार। पूर्वांचल समाज के प्रमुख पर्व छठ के अवसर पर कांग्रेस नेत्री किरण सिंह के संयोजन में भेल सेक्टर चार स्थित सामुदायिक केंद्र में छठ महोत्सव व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गयी तथा विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। महोत्सव में वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व सीएम हरीश रावत भी सम्मिलित हुए। हरीश रावत ने सभी को छठ पूजा की बधाई देते हुए कहा कि भगवान सूर्य की आराधना को समर्पित छठ पूजा समाज को एकता व भाईचारे का संदेश देने वाला पर्व है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पूर्वांचल के लोगों की अनदेखी करते हुए छठ पूजा अवकाश को समाप्त कर दिया है। उन्होंने कहा कि लोगों को सरकार से अवकाश की मांग करनी चाहिए। कांग्रेस की सरकार बनने पर छठ के अवसर छुट्टी की घोषणा करेंगे। किरण सिंह ने कहा कि नहाय खाए के साथ तीन दिनो तक चलने वाली छठ पूजा का शुभारंभ हो गया है। उन्होंने बताया कि तीन दिनों तक चलने वाले पर्व में पूर्वांचली महिलाएं निर्जल रहकर परिवार की मंगल कामना के लिए भगवान सूर्य की आराधना करती है। पूर्व पालिका अध्यक्ष सतपाल ब्रह्मचारी एवं भेल श्रमिक नेता राजवीर चौहान ने सभी को छठ पूजा की बधाई देते हुए कहा कि छठ महोत्सव महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है। महिलाएं निर्जल व्रत कर परिवारों की सुख समृद्धि की कामना करती हैं। उन्होंने कहा कि पर्व हमारी संस्कृति को दर्शाते हैं। सभी को मिलजुल कर पर्वो को मनाना चाहिए।

पुरानी पेंशन बहाली के लिए सीएम आवास कूच, देहरादून में जुटे कर्मचारी संगठन

देहरादून। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली मोर्चा ने परेड ग्राउंड से सीएम आवास कूच किया। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर दबाव बनाया गया। सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया गया। अध्यक्ष अनिल बडोनी, महासचिव सीताराम पोखरियाल ने कहा कि २००५ के बाद नियुक्त हुए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जाए। सीएम आवास कूच करते हुए कर्मचारी ढोल दमाऊं के साथ पारम्परिक वाद्य यंत्रों के साथ पहुंचे।

प्रांतीय अध्यक्ष अनिल बडोनी ने बताया कि इस कार्यक्रम में प्रत्येक जनपद से एक एक हजार कार्मिक और अधिकारी शामिल हुए हैं मोर्चा के प्रांतीय महासचिव सीताराम पोखरियाल ने कहा कि मोर्चा सरकार से लगातार पुरानी पेंशन बहाली की मांग करता आ रहा है, लेकिन अब तक सरकार ने इस पर कार्यवाही नहीं की, इस कारण मोर्चा सरकार को चेतान के लिए रैली निकाल रहा है

पूर्व सीएम तीरथ सिंह ने किए बदरीनाथ के दर्शन

चमोली। पूर्व मुख्यमंत्री एवं गढ़वाल सांसद तीरथ सिंह रावत रविवार को बदरीनाथ धाम पहुंचे। उन्होने श्री हरी की विशेष पूजा अर्चना कर प्रदेश एवं देश की खुशहाली की मनौतियां मांगी। सड़क मार्ग से बदरीनाथ पहुंचे सांसद तीरथ सिंह रावत ने पूजा अर्चना के बाद माणा बेनाकुली, लामबगड़, पांडुकेश्वर, जोशीमठ बडगांव, ढाक ,तपोवन, रैणी, सुराईंठोटा, भला गांव , फागती, तमक नाले आपदाग्रस्त क्षेत्र में पहुंचकर स्थलीय निरीक्षण के उपरान्त लोगों की समस्या सुनी और सुझाव सुने। गढ़वाल सांसद ने आपदा प्रभावित परिवारों को आश्वस्थ किया कि जल्दी ही सरकारी मदद जरूरतमंद लोगों एवं क्षेत्र तक पहुंचाई जायेगी , कोई भी पात्र न छूटे इसके लिए सांसद द्वारा अधिकारियों को मौके पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। सांसद ने कहा कि त्वरित प्रभावित परिवारों की समस्या का समाधान किया जाएगा। इस अवसर पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों ने अपने अपने क्षेत्रों की विविध समस्याओं से अवगत कराया। जोशीमठ लोनिवि निरीक्षण भवन में कहा कि संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए जाएगें और संबंधित विभागों को तत्काल प्रभावी कार्रवाई हेतु निर्देशित किया जाएगा। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष रघुबीर सिंह बिष्ट, नगर अध्यक्ष जोशीमठ लक्षण सिंह रावत, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष जगदीश सती, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य माधव सेमवाल, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ऋषि सती, सांसद प्रतिनिधि किशोर पंवार, मुकेश डिमरी, भगवती नंबूरी, अंजना शर्मा, ललीता देवी, देवेश्वर कपरुवाण, मदन सिंह, राकेश भंडारी , संदीप नौटीयाल, कलम सिंह, अमित सती, नितीन ब्यास, नीतीश चौहान, शुभाष डिमरी, दीपक भट्ट एवं पूर्व मुख्यमंत्री के विशेष कार्य अधिकारी विजय सती आदि उपस्थित रहे।

काठमांडू में पकड़ें गये 11 अफगानों के आधार कार्ड सही, दिल्ली में बने थे सभी

अमर उजियारा संवाददाता

देहरादून। भारत में आधार कार्ड बनाना कितना आसान है इस बात की गवाही नेपाल में **25** अक्टूबर को पकड़े गए सभी छह संदिग्ध अफगानियों के आधार कार्ड से मिलती है१ इनके आधार कार्ड पूरी तरह से सही हैं और दिल्ली में ही बने हैं। सभी कार्ड एक जुलाई को एक ही दिन डाउनलोड किए गए। इनके जारी होने की तिथि भी २६ जून समान ही है। इतना ही नहीं, इन सभी का भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआइडीएआइ) में एक ही फोन नंबर भी दर्ज है। इस जानकारी के बाद देश की खुफिया एजेंसियों में हड़कम्प्प मचा हुआ है।

बताते चलें कि भारतीय सीमा सोनौली के रास्ते नेपाल पहुंचे ११ अफगानी नागरिकों को काठमांडू के सिनामंगल से गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से नकली भारतीय आधार कार्ड बरामद हुआ है। इस सूचना से भारत–नेपाल सीमा पर तैनात तमाम एजेंसियों के कान खड़े हो गए हैं। उन्होंने अपने स्तर पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

नेपाल पुलिस के डीआईजी धीरज प्रताप सिंह के मुताबिक नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीआईबी) ने सोमवार सुबह उन्हें सिनामंगल के एक घर से गिरफ्तार किया था। सीआईबी के अनुसार गिरफ्तार किए गए छह लोगों के पास से भारत के आधार कार्ड भी बरामद किए गए हैं। पुलिस ने बताया कि बरामद भारतीय आधार कार्ड फर्जी था। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद यह सभी भाग गए थे और भारत के रास्ते नेपाल में प्रवेश कर गए।

जांच में जो बातें सामने आई है उसके मुताबिक यह सभी अफगानी रूपन्देही में नेपाल–भारत सीमा पर बेलहिया से नेपाल में प्रवेश किए पाए गए थे। यह सीमा सोनौली से सटे है। अफगानियों की गिरफ्तारी के समय स्थानीय जांच एजेंसियों ने उनके आधार कार्ड को फर्जी बता अपनी लापरवाही पर पर्दा डालने की कोशिश की थी। लेकिन आइबी के साथ ही नेपाल गृह मंत्रालय की रिपोर्ट ने शनिवार को स्थिति स्पष्ट कर दी। यूआइडीएआइ ने सभी के आधार कार्ड नंबर को प्रमाणित कर दिया।

शुरुआती जांच में पता चला है कि संदिग्ध अफगानी १४ अप्रैल २०२१ को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की ओर से सेना की वापसी के ऐलान से पहले से ही दिल्ली में रह रहे थे। १५ अगस्त को तालिबान के काबुल पर कब्जे के बाद से ही वे यहां सक्रिय हो गये। सुरक्षा एजेंसियों के कसते शिकंजे के कारण उन्होंने आधार कार्ड की मदद से नेपाल पहुंच वहीं बसने की योजना बना ली। लेकिन वहां भी पकड़ लिए गए।

जांच में पता चला है कि सभी दिल्ली के लिटिल काबुल, भोगल व ग्रेटर नोएड में लंबे समय से रह रहे थे। गतिविधियां संदिग्ध होने पर सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर आ गए थे। २५ अक्टूबर को काठमांडू से हिरासत में लिए गए ११ अफगानियों में से छह के पास आधार कार्ड मिलने के बाद नेपाली केंद्रीय अनुसंधान ब्यूरो (सीआइबी) के डीआइजी धीरज प्रताप सिंह ने कहा था सभी आधार कार्ड फर्जी हैं। लेकिन उनका दावा गलत साबित हुआ। ऐसे में अब उनकी भी मुश्किल बढ़ सकती है। तब उन्होंने यह भी दावा किया था कि अफगानियों ने भारत के रास्ते सोनौली नाका होकर नेपाल में प्रवेश किया है।सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार भारत में करीब २१ हजार अफगानी शरणार्थी हैं। इनमें से अधिकतर श्रीलंका, अमेरिका व कनाडा में बसने की सोच रहे हैं। लेकिन सिर्फ सात हजार के पास ही संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) का रिफ्यूजी कार्ड है। ऐसे में वे नेपाल के रास्ते दूसरे देशों में जाना चाहते हैं। इसके लिए उनकी कोशिश अवैध दस्तावेजों की मदद से नेपाल पहुंचने की है। लेकिन २५ अक्टूबर को पकड़े गए छह अफगानियों का मामला पूरी तरह संदिग्ध है। यही कारण है कि नेपाली सुरक्षा एजेंसियां सीमा पर अलर्ट हो गई हैं। उनकी नजर भारत–नेपाल मैत्री बस सेवा पर भी है। फेल हुई सीमावर्ती जिलों की एलआइयू पूरे मामले ने नेपाल से सटे सीमावर्ती जिलों की स्थानीय अभिसूचना इकाई (एलआइयू) पर भी सवाल खड़ा किया है। संदिग्ध अफगानी दिल्ली से नेपाल तक पहुंच गए। लेकिन किसी को भी इसकी जानकारी नहीं हुई। समय रहते आइबी ने सक्रियता दिखाते हुए नेपाल गृह मंत्रालय को सूचित कर उनकी गिरफ्तारी सुनिश्चित कराई।

बार्डर पर सुरक्षा जांच कड़ी

गृह मंत्रालय नेपाल के प्रवक्ता फणींद्र मणि पोखरेल का कहना है कि पकड़े गए संदिग्ध अफगानियों के पास से भारतीय आधार कार्ड मिले हैं। ऐसे में अब बार्डर पर सुरक्षा जांच कड़ी कर दी गई है। घुसपैठियों को तत्काल गिरफ्तार करने का निर्देश दिया गया है।क्या कहते हैं भारत–नेपाल संबंधों के जानकार

भारत–नेपाल सुरक्षा विशेषज्ञ बीएस रौतेला ने बताया कि ताजा हालात में नेपाल की खुली सीमा संवेदनशील हो गई है। वहां से घुसपैठ की प्रबल आशंका है। संदिग्ध अफगानियों की गिरफ्तारी सामान्य घटना नहीं है। भारत–नेपाल संबंधों के जानकार यशोदा श्रीवास्तव कहते हैं कि नेपाल में जिस तरह से रोहिंग्या की अवैध बस्ती बस गई है। उसी तरह संभव है कि आने वाले समय में अफगानी बस्ती भी बन जाये। इससे इन्कार नहीं कर सकते। यह भारत के लिए नई मुसीबत हो सकती है।

मास्क पहनना छोड़ना घातक

देहरादून। कोरोना के केस कम होने के बाद दून में बड़ी संख्या में लोगों ने मास्क पहनना छोड़ दिया है। जिस पर मुख्यमंत्री के फिजीशियन और कोरोनेशन अस्पताल के डाक्टर डा. एनएस बिष्ट ने गहरी चिंता व्यक्त की है। डा. बिष्ट ने कहा कि शहर में मास्क न पहनने वालों की संख्या उत्तराखंड के किसी भी शहर की पूरी जनसंख्या से भी अधिक है। कहा कि नवंबर के अनुमानित आंकड़ों के मुताबिक त्योहारी सीजन में दून में बिना मास्क वालों का अनुपात उत्तराखंड के दूसरे सबसे बड़े शहर की जनसंख्या के दो गुने के बराबर है। मानकों के अनुसार कम से कम ८० फीसदी लोगों का मास्क पहनना अनिवार्य है। मास्क का चलन इस समय प्रदेश में न्यूनतम स्तर पर है। मार्च २०२० के बाद नवंबर २०२१ में एकदहाई प्रतिशत यानी आठ फीसदी से भी कम है। उत्तराखंड में धार्मिक एवं प्राकृतिक पर्यटन के साथ शीतकाल में वायरस की प्रसार क्षमता में होने वाला बदलाव है। वायरस ठंड और कम नमी में हवा में ज्यादा देर तक टिकता है। ऐसे में बिना मास्क के लोगों का भीड़ आदि से जुटना वायरस को फैलने में मदद करता है। मास्क का चलन कम होने से एक और भी चिंता पांवपसार रही है। वह है फ्लू या स्वाइन फ्लू के संक्रमण की। फ्लू की दवा और टीका दोनों उपलब्ध है। उसकी जागरूकता नहीं के बराबर है। फ्लू का संक्रमण बच्चों बुजुर्गों और हृदय रोगियों के लिए जानलेवा साबित होता है। कोरोना का वायरस शुरुआत में नाक और गले में पनपता है, जिस दौरान व्यक्ति को किसी प्रकार के लक्षण नहीं होते हैं।

महंगाई के खिलाफ उत्तराखंड में पेट्रोल पंपों पर कांग्रेस का प्रदर्शन, दून में प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में हल्ला बोल

देहरादून। कांग्रेस कार्यकर्ता रविवार को प्रदेशभर में शहर और जिला मुख्यालयों के मुख्य पेट्रोल पंपों पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान खाली रसोई गैस सिलेंडर भी प्रदर्शन स्थल पर रखे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतों पर बढ़ोतरी के खिलाफ आक्रोश जता रहे हैंदेहरादून के राजपुर रोड स्थित यूनिवर्सल पेट्रोल पंप पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। गोदियाल ने कहा कि सरकार ने पेट्रोल–डीजल में बेतहाशा बढ़ोतरी के बाद मामूली छूट दी है। डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की कीमतें आम आदमी पहुंच से बाहर हैं। सरकार को कीमतों पर और कमी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगाई को लेकर जनता में आक्रोश है। भाजपा हिमाचल उपचुनाव में इसके परिणाम देख चुकी है। आने वाले उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में भी जनता महंगाई और बेरोजगारी को लेकर भाजपा के खिलाफ वोट करेगी और कांग्रेस को सत्ता में लाएगी। कांग्रेस के संगठन

महामंत्री मथुरादत्त जोशी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल के आह्वान पर प्रदेशभर में पेट्रोल पंपों पर धरने–प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसमें जिला, महानगर, नगर अध्यक्ष प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे हैं। इसमें सभी फ्रंटल, विभाग, प्रकोष्ठ, जिला अध्यक्ष भागेदारी निभा रहे हैंदेहरादून में प्रदर्शन के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री दिनेश अग्रवाल, संगठन महामंत्री मथुरा दत्त जोशी, महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा, सुशील राठी, पूर्व विधायक राजकुमार, संजय कन्नौजिया, पृथ्वीपाल सिंह चौहान, प्रभलाल बहुगुणा, महेश जोशी, दीप वोरा, राजेश शर्मा, कैप्टन बलवीर सिंह रॉवत (रि), रघुवीर सिंह, महिला कांग्रेस महानगर अध्यक्ष कमलेश रमन, अभिनव थापर, लष्मी अग्रवाल, मनीष नागपाल आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम रोजगार सेवकों ने मांगी मानदेय वृद्धि

पौड़ी। मनरेगा योजना के तहत ब्लाकस्तर पर कार्यरत ग्राम रोजगार सेवकों ने उच्चाधिकारियों पर सौतेला व्यवहार करने का आरोप लगाया है। कहा कि मनरेगा योजना के सफल संचालन के लिए सरकार ने जो शासनादेश जारी किए हैं उच्चाधिकारियों द्वारा पालन नहीं करते हुए मनमर्जी की योजनाएं थोपी जा रही है। उन्होंने प्रदेश सरकार से रोजगार सेवकों को न्याय दिलाने की मांग उठाई है। ग्राम रोजगार सेवक रमेश कुमार, जयपाल, सुरेंद्र, देवेंद्र, दिवाकर आदि ने बताया कि पौड़ी जिले में उच्चाधिकारियों द्वारा उनका शोषण किया जा रहा है। उच्चाधिकारी अपनी मनमर्जी से ग्राम रोजगार सेवकों को मानदेय का भुगतान कर रहे है। कहा कि सरकार ने मनरेगा योजना में कार्यरत उप कार्यक्रम अधिकारी, कम्प्यूटर सहायक, कनिष्ठ अभियंता व ग्राम रोजगार सेवकों के मानदेय में ५ फीसदी वृद्धि करने का शासनादेश जारी किया लेकिन पौड़ी जिले में उच्चाधिकारियों के सौतेले व्यवहार के चलते ग्राम रोजगार सेवकों को मानदेय वृद्धि का लाभ नहीं मिल पाया है। जिससे ग्राम रोजगार सेवकों में नाराजगी बनी है। उन्होंने जल्द ही मानदेय वृद्धि का लाभ दिए जाने की मांग उठाई है। इस मौके पर वीरेंद्र, कुसुम, ज्योति, संजय, रवींद्र, बृजमोहन, मनमोहन, कैलाश, नवीन, राजेश, अनिल आदि शामिल थे।

नयार नदी में डूबने से पूर्व प्रधान की मौत

पौड़ी। नयार नदी में डूबने से पूर्व ग्राम प्रधान बडखोलू की मौत हो गई। मृतक के भाई रविन्द्र बिष्ट ने बताया कि बीते शनिवार दोपहर में जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू घर से सतपुली गए थे। घर वापस नहीं लौटने पर खोजबीन की गयी। इसके बाद ग्रामीणों ने नयार नदी किनारे मृतक के कपड़े देखे। जिससे मृतक के तेज बहाव में बहने की आशंका जताई गई और राजस्व पुलिस को सूचित किया गया।राजस्व उपनिरीक्षक बीएस भंडारी ने बताया कि परिजन सहित ग्रामीणों व प्रशासन द्वारा शनिवार रात से ही खोजबीन की गई, जिसके बाद ग्रामीणों व एसडीआरएफ टीम की सहायता से रविवार लगभग दोपहर 12 बजे मृतक जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू 48 वर्ष का शव बिलखेत के निकट नाला सैण से बरामद किया गया। मृतक का पंचनामा कर अग्रिम कार्यवाही की जा रही है।मौके पर एसडीआरएफ टीम इंचार्ज सत्येंद्र सिंह रावत, कांस्टेबल अमित डोबरियाल, दिनेश चंद्र, मुकेश रावत, ड्राइवर महिपत सिंह, ग्राम प्रधान रणवीर सिंह आदि ने शव को निकाला।

गजा में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

नई टिहरी। चंबा ब्लॉक के गजा कस्बे स्थित बारात घर में चेस्ट और स्त्री रोग विशेषज्ञ की टीम ने शिविर में आये मरीजों का परीक्षण किया। मरीजों को जांच बाद उपचार की सलाह दी गई। शिविर में पंजीकरण शुल्क तीस रुपये रखा गया था। हिमालयन अस्पताल देहरादून से आये डॉ. मनोज कुमार तथा डॉ. स्वाति बिजल्वाण ने सांस और स्त्री रोगियों की जांच की।डॉ. मनोज ने बताया कि पर्यावरण और हमारे खान-पान की वजह से हमें कई प्रकार की दिक्कतें होती है, मनुष्य को अपने स्वास्थ्य की समय-समय पर जांच करवानी चाहिए। कहा मौसम परिवर्तन के समय सावधानी बरतने की जरुरत होती है। डॉ. स्वाति ने महिलाओं को समय से भोजन करने तथा पोष्टिक भोजन करने की सलाह दी। मौके पर प्रगतिशील जन विकास संगठन गजा के अध्यक्ष दिनेश प्रसाद उनियाल, गौंसारी पूर्व प्रधान मान सिंह चौहान, अखिलेश गंगवार, पवनेश बुटोला आदि मौजूद थे।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर देहरादून में 15 नंवबर को रैली

नई टिहरी। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर जिला कार्यकारणी की प्रताप इंटर कॉलेज में एक बैठक हुई। बैठक में आगामी १५ नंवबर को देहरादून में होनी वाली रैली के साथ सचिवालय घेराव कार्यक्रम पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। रैली के सफल आयोजन हेतु ब्लॉक वार संयोजक व सह संयोजक नियुक्त किये गये।रविवार को आयोजित बैठक में एनएमओपीएस के जिलाध्यक्ष पूरण सिंह राणा ने कहा कि रैली को सफल बनाने और पुरानी पेंशन को लागू करवाने हेतु सभी कर्मचारियों को एक जुटता के साथ सषर्घ करना होगा। कहा देहरादून में आयोजित होने वाली रैली में एनएमओपीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। बताया कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु विजयपाल रावत को मुख्य संयोजक बनाया गया है। दिनेश रावत और मुकेश डोभाल को सह संयोजक, मदन सेमवाल को जिला उपाध्यक्ष, अलका कठैत को महिला उपाध्यक्ष,अजय कुंवर को वाहन व्यवस्थापक नियुक्त किया गया है। मौके पर प्रमोद नेगी, मनमोहन पडियार, अरविंद कोठियाल, सुमन रागड़, ओम प्रकाश डबराल, रमन रावत, एलम चंद रमोला, करन सिंह, गरीश बगियाल, रमेश पैन्यूली, गिरीश पैन्यूली, आशीष जोशी, बालकृष्ण भट्ट केएस बगियाल आदि मौजूद थे।

महाराज ने पीएम को भेंट की मुकेश नौटियाल की कालड़ी से केदार

रुद्रप्रयाग। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केदारनाथ दौरे के दौरान पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने देहरादून में रुद्रप्रयाग निवासी साहित्यकार/लेखक मुकेश नौटियाल द्वारा लिखी कालड़ी से केदार पुस्तक पीएम को भेंट की। यह रुद्रप्रयाग के लिए गौरव की बात है कि एक छोटे से शहर के युवा द्वारा साहित्य सर्जन के क्षेत्र में इस तरह का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। पुस्तक में आदि गुरु शंकराचार्य के महत्व से लेकर उनकी यात्रा वृतांत और धार्मिक योगदान को प्रदर्शित किया गया है। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने एक शिष्टमंडल के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मुकेश नौटियाल द्वारा लिखी गई पुस्तक कालड़ी से केदार भेंट करते हुए खुशी जताई। उत्तराखंड के हिमालयी अंचल से भारत के सामुद्रिक इलाके के तेरह सौ साल पुराने सांस्कृतिक संबंधों को आधुनिक संदर्भ में रेखांकित करते हुए इस यात्रा-वृतांत के लेखक मुकेश नौटियाल ने किताब को लिखते हुए दक्षिण भारत की दो सघन यात्राएं की।आदिगुरु शंकराचार्य को उन्होंने एक महान सांस्कृतिक दूत बताते हुए लिखा है कि विविधताओं से भरे राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधने का पहला परिणाममूलक कार्य आदिगुरु ने ही किया है। प्रधानमंत्री द्वारा केदारपुरी में आदिगुरु की प्रतिमा की पुनर्स्थापना को उन्होंने सांस्कृतिक संबंधों की पुनर्स्थापना बताया।

बढ़ती महगांई के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

पौड़ी। बढ़ती महंगाई, रसोई गैस, पेट्रोल व डीजल के दामों के विरोध में कांग्रेसियों ने कोटद्वार रोड स्थित पेट्रोल पंप पर विरोध प्रदर्शन किया। रविवार को कांग्रेस के जिला अध्यक्ष विनोद नेगी ने नेतृत्व में आयोजित विरोध प्रदर्शन में कांग्रेसियों ने कहा कि हम सरकार को चेताने चाहते हैं और चाहते हैं कि आम आदमी के पुराने दिन सरकार द्वारा वापस दिए जाए।

कहा कि अच्छे दिनों का सपना दिखाकर केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा आज पेट्रोल डीजल के दाम १०० रूपए तक पहुंचा दिए गए हैं वहीं दूसरी ओर रसोई गैस के दाम भी ४०० से बढ़ाकर ९०० तक पहुंचाने का काम केंद्र की भाजपा सरकार ने किया है। कहा कि आम जनता ने अच्छे दिनों के सपने के साथ भाजपा को वोट दिया था और सोचा था कि यह सरकार बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार कम करेंगे लेकिन इसके ठीक विपरीत भाजपा सरकार ने महंगाई, बेरोजगारी को बढ़ाने का काम किया है। जिससे आमजनता को अपना जीवन जीने में बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान कांग्रेसियों ने केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन करने वालों में गोपाल नेगी, युद्धवीर सिंह, तामेश्वर आर्य, प्रमोद मंद्रवाल, मोहित सिंह, डा.ऋतु सिंह, कुलदीप, केदार सिंह गुंसाई, नवलकिशोर, रेखा भंडारी, आस्कर रावत, दीपक असवाल, वीरप्रताप सिंह आर्य आदि शामिल थे।

राज्य स्थापना दिवस पर होंगे कई कार्यक्रम

पौड़ी। जिले में २१वें राज्य स्थापना दिवस समारोह के आयोजन को लेकर विकास भवन सभागार पौड़ी में प्रभारी जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक ली। उन्होंने बैठक में कहा कि राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर नए इरादे युवा सरकार के तहत आयोजित कार्यक्रम प्रतीकात्मक ना होकर वास्तविक रूप से भव्य एवं उत्कृष्ट कोटी के हों। कहा कि इस अवसर पर जिले के उत्तराखण्ड आन्दोलन में शहीद हुये राज्य आन्दोलनकारी के परिवारजनों को तहसील स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। कहा कि राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर ८ नंवबर को जिले के रामलीला मैदान में सभी विभागों, एनआरएलएम द्वारा अपने-अपने विभागीय स्टॉल स्थापित किए जाएंगे। बताया कि इस दौरान ब्लाकस्तरीय युवा खेल महाकुम्भ भी आयोजित किए जाएंगे। कहा कि प्रतियोगिताओं में शामिल ३ सर्वेश्रेष्ठ प्रतिभागियों को व खेल महाकुम्भ में विजेता खिलाड़ियों को राज्य स्थापना दिवस पर पुरस्कृत किया जाएगा। बताया कि राज्य स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालय में सुबह स्कूली बच्चों के द्वारा प्रभात फेरी निकाली जाएगी व एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड द्वारा मार्च पास्ट किया जाएगा।

नई टिहरी और चंबा में कांग्रेस का मंहगाई के खिलाफ धरना

नई टिहरी। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नई टिहरी और चंबा में महंगाई के खिलाफ धरना दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा शासनकाल में पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में हुई बेहताश वृद्धि के कारण महंगाई चरम पर है। और आम लोगों परेशान हैं, लेकिन भाजपा सरकार बढ़ती मंहगाई को लेकर मौन साधे हुये है।रविवार को महंगाई के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बौराड़ी स्थित साई चौक पर धरना दिया। कांग्रेस शहर अध्यक्ष देवेंद्र नौडियाल ने कहा कि भाजपा शासनकाल में आम आदमी मंहगाई की मार से परेशान है, लेकिन भाजपा सरकारें चुप्पी साधे हुये हैं। कहा आये दिन पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों ने लगातार वृद्धि होने से लोगों के किचन का बजट बिगड़ गया है। कहा जनता ने हिमाचल में हुये उप चुनाव में भाजपा को अपने निर्णय का संकेत दे दिया है। उधर चंबा में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ऋषिकेश रोड स्थित पेट्रोल पंप के समीप डीजल, पेट्रोल ,रसोई गैस और खाद्य पदार्थों के बढ़ते दामों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ धरना दिया। उन्होंने केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष विक्रम पंवार ने कहा कि पेट्रोलियम पदार्थों के बढ़ते दामों का असर सीधे खाद्य पदार्थों की कीमतों पर पड़ रहा है, जिससे लगातार मंहगाई बढ़ रही है,और लोगों को बजट बिगड़ रहा है। कहा उपचुनाव में मिली हार के बाद केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में मामूली कटौती की है, लेकिन इससे मंहगाई काबू आने वाली नहीं है। कहा अब जनता जाग चुकी है, और वह सरकार को बढ़ती मंहगाई का जबाव जरुर देगी। धरना पर बैठने वालों में शांति प्रसाद भट्ट, विजय गुनसोला, दर्शनी रावत, आशी रावत, मुर्शरफ अली, किशोर मंद्रवाल, सतीश चमोली, महवीर उनियाल, आनंद बैलवाल, मान सिंह रौतेला, राय सिंह रावत ,नपा अध्यक्ष चंबा सुमना रमोला, सोबन सिंह नेगी, शक्ति प्रसाद जोशी, राजेंद्र प्रसाद डोभाल, राजेश्वर बडोनी, मुर्तजा बेग, सोनवीर सजवाण,गिरजा दास,सोहन सिंह रावत, अनीश खान,श्यामलाल, रोशन नौटियाल,आरती बिष्ट ,सुषमा बिष्ट ,मौसम चंद रमोला आदि शामिल थे।

चौथान में आपदा प्रबंधन तंत्र खोलने की मांग

पौड़ी । थलीसैंण ब्लाक के चौथान में मौसम सूचना, वर्षा मापन, आपदा प्रबंधन तंत्र स्थापित करने की मांग स्यूंसाल गांव के ग्रामीणों ने की है। ग्रामीणों ने आपदा मंत्री डा.धन सिंह रावत को ज्ञापन भेजकर चौथान क्षेत्र के पांच स्थानों में मौसम सूचना, वर्षा मापन, आपदा प्रबंधन तंत्र स्थापित करने की मांग की है।आपदा मंत्री को भेजे गए ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा है कि हाल के वर्षों में चौथान में अतिवृष्टि की घटनाएं बढ़ रही हैं। मानसून सीजन २०२१ में भी पहले २८ जुलाई को दुमड़ी कोट, मल्ली डडोली क्षेत्र में और ६ सितंबर को स्यूंसाल गांव क्षेत्र में अतिवृष्टि से कई किसानों के खेतों, फसलो, गांव की सार्वजनिक संपति को अत्यधिक नुकसान हुआ है। २३ जून २०१९ को मासों क्षेत्र में अतिवृष्टि से भारी नुकसान हुआ था। कहा कि ग्रामीणों को हमेशा अतिवृष्टि से अनहोनी होने का डर लगा रहता है। क्षेत्र में भारी बारिश संबंधी जानकारी देने और बारिश मापने की अभी तक कोई व्यवस्था नहीं है। इसी तरह आपदा से बचाव संबंधी जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जाने की आवश्यकता है।

संक्षिप्त समाचार

पटाखा फोड़ने पर परिवार को घर में घुसकर पीटा

रुड़की। गली में बच्चों की ओर से पटाखा फोड़ने को लेकर परिवार को घर में घुसकर पीटा गया। पुलिस ने तहरीर पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।गंगनहर कोतवाली को मुबारिक हसन निवासी १३ पूर्वी अंबर तालाब में तहरीर देकर बताया कि छह नवंबर को रात करीब दस बजे के आसपास बच्चे घर के बाहर पटाखे फोड़ रहे थे। तभी नूर आलम पक्ष के लोग वहां आए और बच्चों को पीटने लगे। विरोध पर परिवार को लाठी डंडे और धारदार हथियार से मारपीट कर घायल कर दिया। शोर शराबा होने लोगों ने घर की ओर रूख शुरू कर दिया। बीच बचाव में आने वाले लोगों से भी हाथापाई की गई। भीड़ बढ़ने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। मारपीट में सलीम समेत अन्य लोग घायल हो गए, जिनका उपचार कराया गया। इंस्पेक्टर अमरजीत सिंह ने बताया कि नूरआलम उर्फ कोनी, ताहिर, शमशेर, बब्बन निवासी रुड़की समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

गन्ने के भाव को लेकर दोतरफा दबाव में है सरकार

रुड़की। जिले की तीनों चीनी मिलें इसी सप्ताह चलने वाली हैं। अब सरकार को गन्ने के भाव की घोषणा करनी है। सीमावर्ती यूपी, पंजाब व हरियाणा में गन्ने के भाव बढ़ने से उत्तराखंड सरकार पर भाव में बढ़ोतरी का दबाव है। कृषि कानूनों से नाराज चल रहे किसानों को साधने का भी सरकार के पास यही मौका है।

बुजुर्ग से गाली-गलौज कर मारपीट की

रुड़की। कोतवाली के मुंडाखेड़ा खुर्द गांव निवासी ६२ वर्षीय बुजुर्ग कल्लण सिंह ने गांव के पास गन्ने की चरखी लगा रखी है। गांव का एक व्यक्ति उनके साथ पार्टनर है। दीपावली की शाम को वे पार्टनर के घर मिठाई देने जा रहे थे। रास्ते में कुछ लोग नशे में धुत्त होकर खड़े थे। आरोप है कि उनमें से एक ने कल्लण सिंह को रोककर गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर उनके साथ मारपीट भी की गई। घायल कल्लण सिंह ने इलाज कराने के बाद कोतवाली पहुंचकर आरोपी और उसके दो बेटों के खिलाफ पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज करने से पहले जानकारी करने के लिए दूसरे पक्ष को भी कोतवाली बु

बिजली चोरी में 7लोगों के खिलाफ मुकदमा

रुड़की। ऊर्जा निगम की टीम ने तीन गांवों में सात लोगों को बिजली चोरी करते पकड़ लिया। लाठरदेवा हुण में तैनात अवर अभियंता सौरभ कौशिक ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि शनिवार को क्षेत्र के गांव हरजौली झोझा, लाठरदेवा शेख तथा भिस्तीपुर में ऊर्जा निगम की टीम ने बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ छापेमारी की। छापेमारी में सभी लोग एलटी लाइन पर विद्युत मीटर से पहले कटिया डालकर बिजली चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया। हरजौली झोझा निवासी मुर्तजा, इनाम,मुराद, मशरूम लाठरदेवा शेख निवासी अखलाख अब्दुल,कादिर भिस्तीपुर निवासी रियाज त्यागी के खिलाफ झबरेड़ा पुलिस को तहरीर दी। थानाध्यक्ष विनोद थपलियाल ने बताया कि तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

डीएम कार्यालय का घेराव करेंगे किसान

रुड़की। किसान सेना राष्ट्रीय संगठन प्रभारी मोहम्मद शमी ने कहा कि ९ नवंबर को किसानों की समस्या को लेकर डीएम कार्यालय का घेराव किया जाएगा। नगला इमरती में किसान सेना कार्यकरणी की बैठक हुई। इस दौरान राष्ट्रीय संगठन प्रभारी मोहम्मद शमी ने कहा कि किसानों को डाई खाद नहीं मिल पा रही है। बारिश से किसानों की फसल खराब हो गई। इसके बाद भी पीड़ित किसानों को मुआवजा नहीं मिल पा रहा है। सरताज अली व मंडल अध्यक्ष हाफिज इरफान ने कहा कि बिजली बिलों में गड़बड़ी की जा रही है। कहा कि इन सब समस्याओं को लेकर ९ नवंबर को जिलाधिकारी कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन दिया जाएगा। इस दौरान मंडल उपाध्यक्ष याकूब अली, फुरकान, मांगा आदि किसान मौजूद रहे।

10 नवंबर से शुरू होगा उत्तम शुगर मिल का पेराई सत्र

रुड़की। उत्तम शुगर मिल का पेराई सत्र दस नवंबर से शुरू होगा। मिल प्रशासन ने पेराई सत्र शुरू करने की विधिवत घोषणा कर तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं। गन्ना समिति के पदाधिकारियों तथा अधिकारियों ने मिल परिसर का निरीक्षण भी किया। अभी तक किसान अपना गन्ना कोल्हू पर बेच रहे थे। लेकिन शुगर मिल का पेराई सत्र शुरू होने पर किसान अपना गन्ना शुगर मिल को देंगे। उत्तम शुगर मिल के केन मैनेजर अनिल सिंह का कहना है कि पेराई सत्र शुरू करने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। कहा कि किसान व शुगर मिल एक दूसरे के पूरक हैं। मिल प्रशासन ने पूरी व्यवस्था की है कि किसानों को शुगर मिल परिसर में पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। लेकिन यदि कोई चूक हो जाती है तो किसानों को भी चाहिए कि वह शुगर मिल को सहयोग करें। उन्होंने कहा कि उत्तम शुगर मिल ने किसानों का पिछले वर्ष का पूरा बकाया अदा कर दिया है। प्रयास यह रहेगा कि १४ दिन के भीतर भुगतान किसानों के खातों में पहुंचता रहे। उन्होंने सभी किसानों से मिल प्रशासन को सहयोग करने की अपील की है।

बिजली चोरी में दो के खिलाफ मुकदमा दर्ज

रुड़की। ऊर्जा निगम द्वारा चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत दो और लोगों के खिलाफ विद्युत चोरी के आरोप में मुकदमे दर्ज कराए गए हैं।इस संबंध में विभागीय अवर अभियंता द्वारा दी गई तहरीर तथा चालान रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने विद्युत अधिनियम के तहत दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की है। लंढौरा बिजली घर पर तैनात अवर अभियंता अमित त्यागी द्वारा अपने क्षेत्र में सहयोगी कर्मचारियों के साथ चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसके तहत दो स्थानों पर विद्युत चोरी के मामले प्रकाश में आए। दोनों ही आरोपियों के खिलाफ चालान रिपोर्ट के साथ पुलिस को तहरीर दी गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ विद्युत अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कांग्रेस ने किया सरकार के खिलाफ प्रदर्शन

रुड़की। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ नगर में बालावाली रोड पर धरना व प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सिर्फ उद्योगपतियों के हित में काम कर रही है, जिससे देश में महंगाई चरम पर है। कार्यकर्ताओं से चुनावी तैयारी का आह्वान किया।प्रदेश आलाकमान के निर्देश पर रविवार सुबह कांग्रेस कार्यकर्ता कस्बे के बालावाली रोड पर इकट्ठा हुए और भाजपा की केंद्र व राज्य सरकार के खिलाफ धरने पर बैठ गए। धरने का नेतृत्व कर रहे नगर अध्यक्ष देवेश राणा ने कहा कि भाजपा केवल पूंजीपतियों का भला चाहती है। केंद्र व राज्य में सारे निर्णय उन्हीं का हित देखकर लिए जा रहे हैं। यही वजह है कि देश में महंगाई तेजी से बढ़ रही है। आम आदमी दो जून की रोटी का प्रबंध भी नहीं कर पा रहा है। सेवादल के प्रदेश अध्यक्ष राजेश रस्तोगी ने कहा कि देश में महिला सशक्तिकरण का केवल ढिंढोरा पीटा जा रहा है। हकीकत में महिलाओं पर रोज हमले, बलात्कार व हत्या की घटना हो रही हैं। किसान भी परेशान होकर आत्महत्या कर रहे हैं। उन्होंने देश को सुरक्षित रखने के लिए भाजपा को सत्ता से बाहर करने का आहवान किया।इस दौरान कार्यकर्ताओं से अगले विधानसभा चुनाव की तैयारी शुरू करने की अपील की गई। धरने पर मास्टर कुशलपाल सैनी, अमित शर्मा डोनू, सतेंद्र राणा, भगत सिंह, डॉ. केपी तोमर, रीना गुप्ता, मोहन सैनी, बबली देवी, लोकेश चौधरी, तुषार खटीक, अभिषेक कुमार, अंकित कुमार, बिजेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

महंगाई के खिलाफ रुड़की में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन-हाथों में गैस सिलेंडर लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ लगाए नारे.....

रुड़की। बढ़ती महंगाई के खिलाफ महानगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हाथों में गैस सिलेंडर लेकर भाजपा की राज्य और केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। रुड़की में चंद्रशेखर चौक पर प्रदर्शन के दौरान महानगर अध्यक्ष कलीम खान ने कहा कि आज भाजपा राज में आमजन का जीना मुहाल हो गया है रसोई गैस के दाम निरन्तर बढ़ रहे हैं जिसके कारण लोगों की रसोई का बजट बिगड़ गया है इसके साथ ही पैट्रोल डीजल के बढ़े दाम के कारण महंगाई अपनी चरम सीमा पर है। हंसराज सचदेवा ने कहा कि महंगाई ने आम आदमी के मुंह का निवाला तक छीन लिया है। कहा कि भाजपा सरकार ने चुनावों में हार के डर से अब पैट्रोल डीजल पर पैसे कम किये भाजपा को नजर आ गया है।कहा कि भाजपा सरकार पर कोई पॉलिसी नही है बिना पॉलिसी के सरकार चला रही है। प्रोफेसर डीपी सैनी ने कहा कि आज जनता समझ चुकी है कि भाजपा क्या करना चाहती है गत कई दिनों से लगातार बढ़ रहे पैट्रोल डीजल के दामों को घटाकर अब भाजपा क्या साबित करना चाहती है

कहा कि जिन पैट्रोल डीजल के बढ़े दामों के कारण जिन वस्तुओं के दाम बढ़ चुके हैं वह कम होना अब मुश्किल है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष रश्मि चौधरी ने कहा कि भाजपा की नीतियों से तंग जनता २०२२ में उन्हें जबाब देगी। कहा कि पिछले दिनों हिमाचल एवं अन्य प्रदेशों में हुए चुनाव में भाजपा को जनता ने आईना दिखा दिया है।इस अवसर पर राम सिंह सैनी,विकास त्यागी, सचिन गुप्ता, देवेंद्र सैनी, आशीष सैनी, हमेंद्र चौधरी, सुशील कश्यप ,मसूद हसन, लक्की त्यागी, नासिर हुसैन, श्याम सिंह नागयन,कमलेश, भूषण त्यागी, मीनाक्षी,सरफराज, अजीम, अब्दुल कादिर, मोहम्मद साहिल, रईस अहमद, भूपेंद्र धीमान, भारत भूषण शर्मा,यशपाल खोकर ,इकबाल अंसारी, राशिद कुरैशी, सालिम सलमानी, उमेश त्यागी, सूरज नेगी, पंकज सिंघल, राजबीर रोड, मनोज जयंत, हाजी नौशाद ,बिट्टू शर्मा, मुब्बिशर, उदय त्यागी, मुनीश त्यागी,उमेद गाजी, आदि कांग्रेसी उपस्थित रहे।

नहाय-खाय के साथ आज से शुरू होगा छठ महापर्व

रुड़की। नहाय खाय के साथ छह महापर्व सोमवार से शुरू होगा। दस नवंबर को मुख्य पर्व पर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। छठ को लेकर तैयारी शुरू हो गयी है।आईआईटी स्थित सरस्वती मंदिर के पुजारी आचार्य राकेश शुक्ल ने बताया कि छठ पूजा का प्रारंभ त्रेता युग में माता सीता द्वारा इस व्रत को करने के माना जाता है। महाभारत काल में कुंती द्वारा इस व्रत को करने का उल्लेख है। आचार्य शुक्ल ने बताया कि सोमवार को नहाय-खाय के साथ से व्रत शुरू होगा और ग्यारह नवंबर को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न होगा। यह व्रत भगवान सूर्य और उनकी बहन षष्ठी देवी को समर्पित है। इस व्रत में महिलाएं लगातार ३६ घंटे निर्जल व्रत और कठिन तपस्या करती हैं। व्रत के प्रारंभ से लेकर समाप्ति तक कई कठिन नियमों का पालन करना होता है। पहले दिन व्रती महिलाएं घर की सफाई कर एक बार सात्विक भोजन करती हैं। दूसरे दिन पूरे समय व्रत रखा जाता है और शाम के समय गुड़ से बनी खीर का सेवन किया जाता है। इसी के साथ निर्जला व्रत शुरू हो जाता है। तीसरे दिन मुख्य पर्व होता है। इस दिन पूरा दिन निर्जल रहते हुए व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देती हैं। दिन में व्रत संबंधित तैयारी की जाती है। इस दिन बांस की टोकरी में सूप, लोटा, थाली, दूध, जल, वस्त्र, चावल, सिंदूर, नारियल, धूप, गन्ना, दीपक, शकरकंदी, हल्दी, अदरक, नींबू, मूली, शहद, पान, साबुत सुपारी, केले, कपूर, मिठाई और प्रसिद्ध पकवान ठेकुआ आदि एकत्र कर किसी पवित्र नदी या जलाशय के किनारे सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। चौथे दिन महिलाएं उगते सूर्य को अर्घ्य देती हैं। इसके साथ ही व्रत का समापन होता है।

पूजा राज चौलेंजर कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाली गेंदबाज बनीं

देहरादून। चौलेंजर कप में अंडर १९ महिला की टीम सी से खेलते हुए उत्तराखंड अंडर १९ टीम की कप्तान पूजाराज ने शानदार प्रदर्शन किया है। पूरी प्रतियोगिता में उन्होंने सर्वाधिक ११ विकेट लिए हैं। वहीं अंडर १९ महिला टीम डी की कप्तानी कर रही उत्तराखंड की नीलम भारद्वाज के नेतृत्व में टीम ने प्रतियोगिता में क्वालिफाई कर लिया है। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर पूजा और नीलम के पहली बार आयोजित होने जा रहे आईसीसी के अंडर १९ महिला विश्वकप में चयन की संभावना काफी बढ़ गई है। जयपुर में चल रहे चौलेंजर ट्रॉफी में मैचों में पूजा राज ने दो नवंबर को हुए पहले मैच में टीम सी विरुद्ध टीम डी के बीच हुए मुकाबले में १० ओवर में एक मेडन रखते हुए ३६ रन पर चार विकेट लिए। टीम दो विकेट से हारी मगर पूजा का प्रदर्शन नोटिस किया गया। तीन नवंबर को दूसरा मैच टीम बी विरुद्ध टीम सी के बीच हुआ। पूजा ने इस मैच में ९.२ ओवर में एक मेडन रखते हुए ३६ रन पर दो विकेट लिए। हालांकि उनकी टीम अस्सी रन से मैच हारी। पांच नवंबर को तीसरा मैच टीम ए के खिलाफ हुआ। जिसमें पूजा ने आठ ओवर में दो मेडन के साथ कुल १८ रन दिए व पांच विकेट अपने नाम किए। पूजा का बैकग्राउंड काफी संघर्ष भरा रहा है। वह चमोली जिले के गैरसैंण के सुदुर गांव ढांगा की रहने वाली है। दून में कोच नरेन्द्र शाह उन्हें अपनी अकादमी लिटिल मास्टर क्लब में ले आए। दून में ही उनके रहने व पढ़ाई का प्रबंध किया। मां अनिता व पिता लेखराज गांव में खेतीबाड़ी करते हैं। इससे पहले वह गांव में ही क्रिकेट खेलती थी। दून आने पर उन्हें स्तरीय क्रिकेट खेलने व कोचिंग का मौका मिला। हाल ही में अंडर १९ उत्तराखंड की टीम की कैप्टन के रुप में उन्होंने उत्तराखंड के लिए पहली बीसीसीआई ट्रॉफी जीतकर तो कमाल ही कर दिया। इसी प्रदर्शन के दम पर पूजा, नीलम समेत साक्षी, राघवी, मीनाक्षी, नंदिनी कश्यप को चौलेंजर कप में खेलने का मौका मिला था। नीलम भारद्वाज ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में तीन विकेट समेत ९२ रन बनाए हैं। नीलम की टीम उनके नेतृत्व में क्वालिफाई कर गई है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है। पहली बार होने वाले अंडर १९ महिला विश्वकप में यदि दोनों खिलाड़ियों को मौका मिलता है तो यह उत्तराखंड क्रिकेट के लिए एक ओर बड़ा अवसर होगा।

संक्षिप्त समाचार

सीएम को ज्ञापन भेज की चकराता में अग्नशमन केंद्र खोलने की मांग की

विकासनगर। जौनसार बावर के केंद्र बिंदू चकराता में अग्निशमन केंद्र खोले जाने की मांग को लेकर यंग माउंटेन क्लब ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। कहा कि दुर्गम क्षेत्र में अग्निशमन केंद्र न होने के कारण आग लगने से कई बार बड़ी घटनायें हो चुकी हैं।ज्ञापन में बताया कि जौनसार बावर क्षेत्र में एक भी अग्निशमन केंद्र नहीं है। यह क्षेत्र अत्यंत विषम भौगोलिक परिस्थितियों में बसा हुआ है। कई बार आग लगने की छोटी-बड़ी दर्जनों दुर्घटनाएं हो चुकी है। जिसमें लाखों का नुकसान हो चुका है। बताया कि आग लग जाने पर डाकपत्थर या सेलाकुई से अग्निशमन दस्ते को पहुंचने में दो से छह घंटे तक लग जाते हैं। तब तक सब जलकर राख हो जाता है। कहा कि सरकार को चकराता में अग्निशमन केंद्र की स्थापना करनी चाहिए। कहा कि क्षेत्रवासियों की कई बार मांग के बाद भी सरकार इस ओर ध्यान नहीं दे रही है। सरकार को जल्द ही क्षेत्र में फायर स्टेशन खोलने के लिए गंभीरता से विचार करना होगा। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष अमित जोशी, सचिव आर एस राठौर, राहुल चांदना, नरेंद्र चौहान, रविश अरोरा, दर्शन बिष्ट, राजेन्द्र चौहान, अमित शामिल रहे।

रासायनिक कचरा बना लोगों के लिए परेशानी का सबब

विकासनगर। क्षेत्र की जमनपुर कॉलोनी में औद्योगिक इकाइयों से आने वाला रासायनिक कचरा लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। लोगों का कहना है कि सिडकुल प्रशासन और तहसील प्रशासन से इसकी शिकायत की जा चुकी है, लेकिन रासायनिक कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण नहीं किया जा रहा है। जहरीला पानी हर रोज बस्ती में बहता रहता है।

जमनपुर बस्ती में करीब २०० परिवार रहते हैं। यहां बस्ती के बीच से नाला भी गुजर रहा है, जिसमें औद्योगिक इकाइयों से आने वाला कचरा और जहरीला पानी बहता रहता है। स्थानीय निवासी दिलरुबा, हसीना बीबी, मो. इस्माइल, अमजद खान, निसार, हारुन अली, शेर खान ने बताया कि बस्ती के मुख्य मार्ग पर भी औद्योगिक इकाइयों से आने वाला जहरीला पानी बहता रहता है। इससे बस्ती में संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा बना हुआ है। इसी गंदे पानी से होकर लोग आवागम करने को मजबूर हैं। क्षेत्रीय विधायक से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों तक इससे निजात दिलाने की गुहार लगाई जा चुकी है, बावजूद इसके कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उधर, नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी विनोद लाल शाह का कहना है कि सिडकुल प्रशासन से इस संबंध में वार्ता कर उचित समाधान निकाला जाएगा।

सड़क खोद कर भूला लोनिवि

विकासनगर। साहिया बाजार में सुधारीकरण के नाम पर खोदी गई सड़क व्यापारियों और ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बनी हुई है। करीब दस दिनों से कार्य बंद होने के कारण सड़क पर मिट्टी और मलबे के ढेर लगे हैं। खुदी नालियां भी दुर्घटना का सबब बनती जा रही हैं।स्थानीय निवासी कुंदन सिंह चौहान, प्रीतम चौहान, संजय शर्मा, अमर तोमर, सुरेश चौधरी, राजेंद्र सिंह राय, मुकेश जोशी, सुरेंद्र चौहान ने बताया कि करीब एक माह पूर्व लोक निर्माण विभाग की ओर से साहिया बाजार में सड़क चौड़ीकरण का कार्य शुरू कराया गया था। कार्य के लिए विभाग ने सिर्फ चार मजदूर लगाए हैं, जिससे काम धीमी गति से हो रहा है। जौनसार के करीब दो गांवों का केंद्र बिंदु होने के कारण साहिया बजार में हर रोज सैकड़ों वाहनों की आवाजाही होती है। ऐसे में सड़क पर जगह-जगह पड़ा मलबा जाम का करण बन रहा है। साथ ही सड़क किनारे खुदी नालियों में कई दोपहिया वाहन चालक और बच्चे चोटिल हो चुके हैं। निर्माण कार्य के चलते पेयजल लाइनें भी क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। ऐसे में इन दिनों पेयजल संकट भी गहरा गया है। स्थानीय लोगों ने लोक निर्माण विभाग से कार्य मानक के अनुरूप जल्द पूरा करने की मांग की है। उधर, लोनिवि के अधिशासी अभियंता डीपी सिंह ने बताया कि संबंधित एसडीओ और ठेकेदार को निर्माण कार्य तय समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

लैब टेक्निशियन को सहसपुर अटैच करने का किया विरोध

विकासनगर। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेलाकुई में तैनात लैब टेक्निशियन को सीएचसी सहसपुर में अटैच करने का स्थानीय लोगों ने विरोध किया है। सेलाकुई के पूर्व प्रधान ने विधायक सहसपुर को ज्ञापन देकर लैब टेक्निशियन को तत्काल वापस सेलाकुई में तैनात करने की मांग की है।पूर्व प्रधान भगत सिंह राठौर ने विधायक सहसपुर सहदेव सिंह पुंडीर को सौंपे ज्ञापन में कहा कि सेलाकुई नगर पंचायत क्षेत्र सहसपुर से आबादी में काफी बड़ा होने के साथ साथ औद्योगिक क्षेत्र है। जहां कंपनियों के हजारों श्रमिक भी निवास करते हैं। कहा कि इन दिनों सेलाकुई क्षेत्र में डेंगू का प्रकोप बढता जा रहा है। इसके अलावा टायफाइड व मलेरिया जैसी बीमारियां भी भयावह रूप धारण करती जा रही हैं। सेलाकुई पीएचसी में पहले से ही लैब टेक्निशियन तैनात है। जिससे लोगों को बीमारियों की जांच कराने की सुविधा मिलती रहती थी। लेकिन हाल के दिनों में टेक्निशियन को बिना किसी मतलब के सेलाकुई से सीएचसी सहसपुर स्थानांतरित कर दिया गया है। जिससे सेलाकुई के लोगों को छोटे मोटे टेस्ट कराने के लिए देहरादून, प्रेमनगर व विकासनगर के चक्कर काटने पड रहे हैं। जिससे लोगों को अनावश्य समय व धन की बर्बादी करनी पड़ रही है। कहा कि जनहित को मद्देनजर रखते हुए तत्काल टेक्निशियन को सीएचसी सहसपुर से अटैचमेंट समाप्त कर पीएचसी सेलाकुई वापस बुलाया जाय। अन्यथा क्षेत्र की अनता को आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

आज ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुंचेगी बाबा केदार की चल विग्रह डोली

रुद्रप्रयाग। भगवान केदारनाथ की चल विग्रह डोली देर सांय गुप्तकाशी पहुंची। यहां बड़ी संख्या में मौजूद भक्तों ने बाबा केदार की डोली का जोरदार स्वागत किया। इस मौके जय बाबा केदार के जयघोषों से केदारघाटी गुंजायमान रही। सोमवार को डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुंचेगी। जहां भगवान की छह माह शीतकालीन पूजा अर्चना की जाएगी।रविवार को बाबा केदार की डोली यात्रा पहले पड़ाव रामपुर से पैदल चलते हुए गुप्तकाशी पहुंची। रामपुर से पैदल चलते हुए मार्ग में अनेक स्थानों पर क्षेत्रीय महिलाएं, बुर्जुग, नौजवान और बच्चों द्वारा बाबा की डोली का पुष्प और अक्षत वर्षा से स्वागत किया गया। कई जगहों पर डोली को सुंदर फूलों से बनाई गई मालाएं भेंट की गई। बड़ी संख्या में लोगों ने जय बाबा केदार के जयघोष लगाए। साथ ही सम्पूर्ण क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। विभिन्न पड़ावों से होते हुए डोली देर सांय गुप्तकाशी स्थिति काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंची। यहां भगवान की पूजा अर्चना की गई। साथ ही बड़ी संख्या में भक्तों ने आशीर्वाद लिया।

रविवार को रात्रि विश्राम करने के बाद सोमवार सुबह डोली गुप्तकाशी से ऊखीमठ स्थित ओंकारेश्वर मंदिर के लिए प्रस्थान करेगी। यहां डोली आगमन को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। इस मौके पर बोर्ड सदस्य आशुतोष डिमरी, देवस्थानम बोर्ड के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी बीडी सिंह, उप जिलाधिकारी जितेंद्र वर्मा, शिव सिंह रावत, सहायक अभियंता गिरीश देवली, मंदिर प्रशासनिक अधिकारी यदुवीर पुष्पवान, प्रभारी लेखाअधिकारी आरसी तिवारी, धर्माचार्य औंकार शुक्ला, प्रबंधक अरविंद शुक्ला, प्रदीप सेमवाल, मीडिया प्रभारी डा. हरीश गौड़ आदि मौजूद थे।

रात्रि प्रवास को लांघा भूड़ पहुंची शिलगुर देव की पालकी

विकासनगर। जौनसार के कनबुआ गांव से रविवार को शिलगुर बिजट देवता की पालकी एक दिवसीय प्रवास के लिए रविवार को विकासनगर के लांघा भूड़ पहुंची। कनबुआ से भूड़ तक पहुंचने के दौरान साहिया, कालसी, हरिपुर, बाड़वाला, अंबाड़ी, रुद्रपुर, लांघा में लोगों ने देव पालकी पर पुष्प वर्षा कर खुशहाली की मन्नत मांगी।

देवता के पुजारी खुशीराम शर्मा ने बताया कि कुछ समय पूर्व लांघा भूड़ निवासी राजेश खन्ना ने कनबुआ स्थित शिलगुर बिजट देवता मंदिर में सुख, शांति एवं परिवार में समृद्धि की मन्नत मांगी थी। मन्नत पूरी होने पर उन्होंने देव पालकी को अपने घर आमंत्रित किया। रविवार को ब्रह्म मुहूर्त में देव पालकी को विधि विधान से गर्भगृह से बाहर निकाला गया। स्थानीय ग्रामीणों के देव दर्शन करने बाद सुबह दस बजे देव पालकी ने लांघा भूड़ के लिए प्रस्थान किया। देव पालकी का जौनसार के सकनी, अलसी, साहिया, कालसी, हरिपुर समेत विकासनगर के ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने श्रद्धा के साथ स्वागत किया। भूड़ पहुंचने पर देव पालकी के दर्शनों के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। पूजा अर्चना के बाद ग्रामीणों ने देर रात तक जागरण किया। इस दौरान मंदिर के वजीर शांति सिंह पंवार, भंडारी संतन सिंह पंवार, देव माली खजान सिंह, धन सिंह, मुकेश पंवार, नारायण सिंह, माया राम, बलवीर सिंह, अजब सिंह, एसएस बिष्ट, हुकम सिंह, प्रेमदास, अजब वर्मा, नत्थी वर्मा, सियाराम, चतर सिंह, परम सिंह आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड की खेल प्रतिभाओं की देश-दुनिया में धमक, इन खिलाड़ियों ने बढ़ाया मान

देहरादून । उत्तराखंड की खेल प्रतिभाएं देश-दुनिया में धमक दिखा रही हैं। मेलबोर्न रेनगेड्स ने भारतीय खिलाड़ी उन्मुक्त चंद को बिग बैश लीग (बीबीएल) के सीजन-2021-22 के लिए अपनी टीम में शामिल किया है। बीबीएल का कांट्रेक्ट हासिल करने वाले वह पहले भारतीय खिलाड़ी हैं।२८ वर्षीय उन्मुक्त चंद ने हाल में ही भारतीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद वह अमेरिका की टी-२० लीग से जुड़ गए थे। उनकी टीम ने उन्मुक्त के शानदार प्रदर्शन के दम पर प्रतियोगिता को जीता था। यही प्रदर्शन उनके बिग बैश लीग से जुड़ने का आधार बना। उन्मुक्त चंद २०१२ में ऑस्ट्रेलिया में हुए अंडर १९ विश्व कप विजेता टीम के कप्तान, इंडिया ए के अलावा आईपीएल के लिए खेलने का भी अनुभव रखते हैं। घरेलू क्रिकेट में वह दिल्ली व उत्तराखंड की भी कप्तानी कर चुके हैं। हालांकि भारतीय टीम में उनकी एंट्री नहीं हो सकी। बीबीएल से करार होने पर उन्मुक्त चंद काफी खुश हैं उनका कहना है कि बीबीएल में खेलना उनके लिए शानदार अनुभव रहेगा। यहां अच्छी क्रिकेट खेली जाती है। वह ऑस्ट्रेलिया के ग्राउंड व स्टेडियम से अच्छी तरह परिचित हैं। २०१२ अंडर १९ विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके नाबाद १११ मैच जिताऊ रन आज भी हर खेल प्रेमी को याद हैं। रेनेगेड्स के कोच डेविड साकेर ने उन्मुक्त के टीम में शामिल होने पर खुशी जताते हुए कहा है कि वह हमारी टीम योजना का अहम हिस्सा हैं।वह विस्फोटक बल्लेबाजी के अलावा किसी भी समय खेल का रुख बदल सकते हैं। उन्मुक्त ने अपने कॅरियर में ६७ प्रथम श्रेणी मैच, १२० लिस्ट ए मैच व ७७ टी-२० मुकाबले खेले हैं। उन्होंने अपना अंतिम प्रथम श्रेणी मैच २०२० जनवरी में हरियाणा के खिलाफ देहरादून में खेला था। आईपीएल में वह दिल्ली डेयरडेविल्स, राजस्थान रॉयल व मुबंई इंडियंस टीमों का हिस्सा रह चुके हैं। उन्मुक्त चंद इस महीने के आखिर में ऑस्ट्रेलिया जाएंगे और टीम के लिए पूरा सीजन उपलब्ध रहेंगे। वह टीम में ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के कप्तान आरोन फिंच की कप्तानी में खेलेंगे। इस टीम में शॉन मार्श, केन रिचर्डसन, जेम्स पैंटिनसन जैसे धाकड़ खिलाड़ी भी खेलते हैं। पिथौरागढ़ के रहने वाले उन्मुक्त चंद ने इसी साल सितम्बर-अक्तूबर में अमेरिका में मेजर टी-२० लीग सिलिकॉन वैली स्ट्राइकर से जुड़े थे।

विस अध्यक्ष ने किया भारतीय संस्कृति तथा नैतिक शिक्षा के आयाम पुस्तक का विमोचन

देहरादून। प्रेस क्लब में रविवार को विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद अग्रवाल ने लेखक डा. अखिलेश चंद्र रमोला की पुस्तक भारतीय संस्कृति तथा नैतिक शिक्षा के आयाम का विमोचन किया। बाल प्रतिभा सम्मान समारोह परिषद श्रीनगर गढ़वाल की ओर से आयोजित विमोचन कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि लेखक जब प्रयास करता है, मेहनत करता है। जब पुस्तक सामने आती है। देश का युवा पाश्चात्य संस्कृति की ओर बढ़ रहा है। पुस्तकें युवाओं के मार्गदर्शन का काम करती है। रामायण, वेद और पुराण से सभी को मार्गदर्शन मिला है। कहा कि भागदौड़ के समय में पुस्तको के प्रति रुझान घटना चिंताजनक है।

अभिनेत्री गौहर खान का आगामी सॉन्ग तोहमत 12 नवंबर को होगा रिलीज

बॉलीवुड की हॉट ऐंड सेक्सी अभिनेत्री गौहर खान जोकि अपनी खूबसूरती और कातिल अदाओं के लिए जानी जाती हैं उनका आगामी सॉन्ग तोहमत की रिलीज डेट तय कर दी गई हैं। सॉन्ग तोहमत १२ नवंबर २०२१ को रिलीज किया जाएगा।इस बात की जानकारी स्वयं अभिनेत्री ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से सॉन्ग का पोस्टर साझा कर दी। उन्होंने पोस्टर साझा करते हुआ लिखा कि, ओएमजी तोहमत की रिलीज डेट तय कर दी गई है आप सबको इस सॉन्ग को देखते हुए मैं अब और इंतजार नहीं कर सकती। शिप्रा गोयल की सुंदर आवाज, निर्माण के द्वारा दिल को दुखाने वाली लिरिक्स और वीटूगेदरप्रोस द्वारा सॉन्ग को शानदार तरह से शूट किया गया है। यह सॉन्ग १२ नवंबर २०२१ को रिलीज हो रहा है।

साझा किए गए पोस्टर में गौहर ने लाल रंग की ड्रेस पहनी हुई जिसमे वे शराब की बोतल को पीते हुए नजर आ रही हैं। पोस्टर देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह एक सेड सॉन्ग होने वाला है। लगता हैं कि इस सॉन्ग में गौहर का दिल टूटते हुए नजर आयेगा। गौहर के फैंस भी इस सॉन्ग को लेकर काफी उत्साहित हैं कुछ फैंस ने पोस्टर की तारीफ करते हुए अभिनेत्री की पोस्ट पर अच्छे कमेंट्स भी किए हैं। अब देखना होगा कि यह सॉन्ग दर्शकों को कितना लुभा पाता है।

वर्कफ्रंट की बात करे तो गौहर आखिरी बार फिल्म १४ फेरे और वेब सीरीज तांडव में नजर आई थीं। वे कई बड़े बजेट्स की फिल्मों में नजर आने वाली हैं।

सूर्यवंशी से निहारिका रायजादा बटोर रही सुर्खियां

सूर्यवंशी रिलीज हो चुकी है. इस फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार भी मिल रहा है. इस फिल्म में अक्षय और कैटरीना के साथ–साथ रणवीर सिंह और अजय देवगन जैसे बड़े कलाकार हैं. इन सितारों के बीच एक्ट्रेस निहारिका रायजादा सबका ध्यान आकर्षित कर रहीं हैं जो इस फिल्म का हिस्सा हैं.

निहारिका रायजादा अक्षय कुमार की सूर्यवंशी में एक अहम किरदार निभा रही हैं. वो इस फिल्म में एक एटीएस ऑफिसर का किरदार निभा रही हैं. निहारिका मॉडलिंग में काफी एक्टिव रही हैं और २०१० में मिस इंडिया यूके का खिताब पा चुकी हैं. निहारिका जबसे लाइम लाइट में आई हैं उनके बोल्डनेस के खूब चर्चे हो रहे हैं. निहारिका सोशल मीडिया और अपनी बोल्ड तस्वीरों की वजह से पॉपुलर हैं. निहारिका ने सूर्यवंशी से पहले मसान और टोटल धमाल जैसी फिल्मों में काम करती नजर आ चुकी हैं. निहारिका एक मेडिकल साइंटिस्ट हैं जो उस क्षेत्र को छोड़ कर अभिनय के क्षेत्र में अपना कैरियर बनाने की योजना बनाई है.

मशहूर म्यूजिक डायरेक्टर ओपी नायर की पोती निहारिका रायजादा रियल लाइफ में अपने ग्लैमरस अंदाज के चलते चर्चा में रहती हैं. यह अक्षय कुमार के साथ एंटी टेरि... निहारिका रायजादा यूरोप में पली–बढ़ी हैं. उन्होंने लक्जमबर्ग में अपनी पढ़ाई पूरी की. इसके बाद उन्होंने अमेरिका से एक्टिंग कोर्स किया और मॉडलिंग में कद...इन्होंने साल २०१३ से अपने करियर की शुरुआत की. पहली बार वह एक बंगाली फिल्म डामाडोल में नजर आईं. इस फिल्म में दर्शकों के सामने यह कुछ खास कमाल न दिखा ... इसके बाद यह बॉलीवुड और कई अन्य प्रोजेक्ट का हिस्सा रहीं. बाद में इन्हें पहचान मिली और फैन्स के बीच पॉपुलैरिटी मिली. रिपोर्ट्स के मुताबिक, सूर्यवंशी फिल्म के लिए निहारिकी ने करीब ३ महीने तक ट्रेनिंग ली और अपने किरदार को निभाने के लिए काफी मेहनत की.

अर्जुन रामपाल ने अपनी आगामी वेब सीरीज द रिटर्न की शूटिंग 60 दिनों में की पूरी

बॉलीवुड डैशिंग एवं प्रतिभाशाली अभिनेता अर्जुन रामपाल जोकि साल में एक या दो फिल्में करते हैं, उन्होने अपनी आगामी वेब सीरीज द रिटर्न की शूटिंग खत्म कर ली हैं। अभिनेता ने इस सीरीज की शूटिंग ६० दिनों में पूरी की हैं।अर्जुन ने इस बात की जानकारी देते हुए अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें साझा की। उन्होंने तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि, और अब शूटिंग खत्म हुई। द रिटर्न क्या अनुभव रहा। लगातार ६० दिन तक इस वेब सीरीज की शूटिंग चली है। मैं धन्य हूं कि मुझे एक बढिया टीम मिली। सभी का धन्यवाद।इस सीरीज की शूटिंग ज्यादातर लंदन में हुई है। इस सीरीज में अर्जुन रामपाल के साथ जानें माने अभिनेता पूरव कोहली भी नजर आएंगे।अर्जुन रामपाल ने हाल ही मे कंगना रनौत की आगामी फिल्म धाकड़ की भी शूटिंग पूरी कर ली हैं। इस फिल्म में वे रुद्रवीर नामक व्यक्ति का निगेटिव किरदार निभा रहे हैं।आखिरी बार अर्जुन द फाइनल ट्रूथ वेब सीरीज में मुख्य किरदार निभाते हुए नजर आए थे। द रिटर्न और धाकड़ के अलावा वे बैटल ऑफ भीमा कोरेगांव, हरि हरा वीरा मल्लू, द रेपिस्ट और नास्तिक जैसी फिल्मों में भी नजर आएंगे।

कियारा आडवाणी ने सिद्धार्थ की फोटो पर दिल बनाकर जताया प्यार

बॉलीवुड एक्टर सिद्धार्थ मल्होत्रा और एक्ट्रेस कियारा आडवाणी के बीच डेटिंग की खबरें लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं. दोनों अक्सर एक–दूसरे के साथ पार्टी या प्राइवेट आउटिंग करते साथ में दिख जाते हैं. हालिया रिलीज हुई फिल्म शशेरशाह्व में भी दोनों की रोमांटिक केमिस्ट्री को लोगों ने बेहद पसंद किया और अब एक बार फिर कियारा की एक हरकत ने फैंस के बीच इन दोनों के बीच की लव खिचड़ी को लेकर चर्चा शुरू कर दी है.

हाल ही में बॉलीवुड के हैंडसम हंक सिद्धार्थ मल्होत्रा ने इंस्ट्राग्राम पर एक पिक्चर शेयर की थी. ब्लैक टीशर्ट में सिद्धार्थ काफी अच्छे लग रहे थे. कैप्शन के लिए सिद्धार्थ ने रॉय टी. बेनेट के कोट का इस्तेमाल किया. ऐसे में उनके फैंस ने भी तरह तरह के कमेंट्स से अपने पसंदीदा एक्टर की जमकर तारीफ की लेकिन ये तस्वीर खास तब बन गई जब उनकी रुमर्ड लेडी लव कियारा आडवाणी ने एक आई हार्ट इमोटिकॉन भेज कर अपने दिल की बात कही. फिर क्या फैंस ने भी उनके इस कमेंट्स पर रिएक्शन देने शुरू किए.लोगों का कहना है भले ये दोनों अपने रिश्ते की बात कितने भी छुपाएं लेकिन कहीं कहनी उनके ऐसे रिएक्शन इजहार कर ही देते हैं कि दोनों के बीच कुछ न कुछ जरूर पक रह है.

हाल ही में शेरशाह के प्रमोशन के दौरान जब उनसे एक इंटरव्यू में सिद्धार्थ के साथ अफेयर के खबर पर जानना चाहा तो एक्ट्रेस ने सिद्धार्थ को अपना खास दोस्त बताया था. साथ ही उन्होंने कहा था वो सिद्धार्थ के डेडिकेशन उनके काम को काफी पसंद करती हैं. उन्हें सिद्धार्थ के साथ समय बिताना पसंद है. फिर चाहे लोग इसे कुछ भी नाम क्यों न दे.

बात करें कियारा की आने वाली फिल्मों की तो उनके पास एक बेहतरीन लाइनअप है. कियारा जल्द ही वरुण धवन के साथ शजुग जुग जीयोव्ह और कार्तिक आर्यन के साथ शभूल भुलैया २व्ह में नजर आने वाली हैं. वहीं कियारा के जन्मदिन पर राम चरण के साथ उनकी पैन इंडिया फिल्म शआरसी१५व्ह की घोषणा की गई थी. सिद्धार्थ मल्होत्रा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्होंने ने हाल ही में रश्मिका मंदाना के साथ शमिशन मजनूव्ह की शूटिंग खत्म की है. इसके अलावा सिड इंद्र कुमार की लाइफ कॉमेडी शथैंक गॉडव्ह की भी शूटिंग कर रहे हैं. जिसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह दिखाई देंगे.फिल्म बड़े पर्दे पर २०२२ की ओपनिंग के लिए तैयार है.

नॉन स्टिक प्रेशर कुकर को आसानी से साफ करने के लिए अपनाएं ये घरेलू तरीके

नॉन स्टिक बर्तन के इस्तेमाल से खाना बनाना काफी आसान हो जाता है, लेकिन इनकी सफाई करना थोड़ा मुश्किल होता है। खासतौर से अगर इसमें खाना जल या चिपक जाए तो आप स्क्रब से भी नॉन स्टिक प्रेशर कुकर को साफ नहीं कर सकते हैं क्योंकि इससे यह खराब हो सकता है। इसलिए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताने जा रहे हैं जिन्हें अपनाकर नॉन स्टिक प्रेशर कुकर को आसानी से साफ किया जा सकता है।

बेकिंग सोडा और सिरका आएगा काम

नॉन स्टिक प्रेशर कुकर को साफ करने के लिए बेकिंग सोडा और सिरके के मिश्रण का इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए पहले इन दोनों को एक कटोरी में मिलाकर गाढ़ा घोल बनाएं, फिर इस घोल को प्रेशर कुकर की गंदी जगह पर लगाकर १५ से २० मिनट के लिए छोड़ दें। इसके बाद नॉन स्टिक प्रेशर ककुर को धोएं और माइक्रोफाइबर से पोंछकर स्टोर करें।

नींबू भी है मददगार

अगर आप चाहें तो नॉन स्टिक प्रेशर कुकर को साफ करने के लिए नींबू का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले कुकर में पानी भरें, फिर इसमें आधा नींबू काटकर निचोड़ें। अब इस पानी को अच्छे से उबालें और इसको १०–१५ मिनट के लिए कुकर में ही छोड़ दें। इसके बाद पानी को फेंक दें। ऐसा करने से कुकर की सफाई होने के साथ–साथ खराब गंध भी दूर हो जाएगी।

गुनगुने पानी और डिशवॉश लिक्विड का करें इस्तेमाल

नॉन स्टिक प्रेशर कुकर की सफाई के लिए आप गुनगुने पानी और डिशवॉश लिक्विड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहल एक कप गुनगुने पानी में थोड़ा सा डिशवॉश लिक्विड अच्छे से मिलाएं, फिर इस मिश्रण को कुकर में डालकर कुछ मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद कुकर को हल्के गर्म पानी से धोएं और अंत में कुकर को माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछकर स्टोर करें।

नमक, जैतून का तेल और डिशवॉश लिक्विड भी है कारगर

नॉन स्टिक प्रेशर कुकर को चमकाने के लिए आप नमक, जैतून के तेल और डिशवॉश लिक्विड के मिश्रण का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए पहले एक कटोरी में जैतून का तेल, नमक और डिशवॉश लिक्विड की बराबर मात्रा मिलाएं। अब इस मिश्रण को बर्तन वाले स्पंज पर लगाएं और इससे कुकर को साफ करें। अंत में नॉन स्टिक प्रेशर कुकर को साफ पानी से धोकर इसे माइक्रोफाइबर कपड़े से पोंछे। इसे कुकर नए जैसा चमकने लगेगा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक वीना जोशी द्वारा देवभूमि प्रिन्टर्स, सरस मार्केट, हल्द्वानी, नैनीताल रोड, (नैनीताल) से मुद्रित एवं 12, बसन्त विहार छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित।

सम्पादक : वीना जोशी

सभी विवादों का निपटारा हल्द्वानी न्यायालय के अधीन होगा। प्रकाशित समाचारों के लिए प्रेस उत्तरदायी नहीं है।